संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -161 गुरूवार ,13 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में फायरिंग से चार की मौत

सर्च टीम को मिली मैगजीन और इंसास रायफल, अभी तक किसी की नहीं हुई गिरफ्तारी

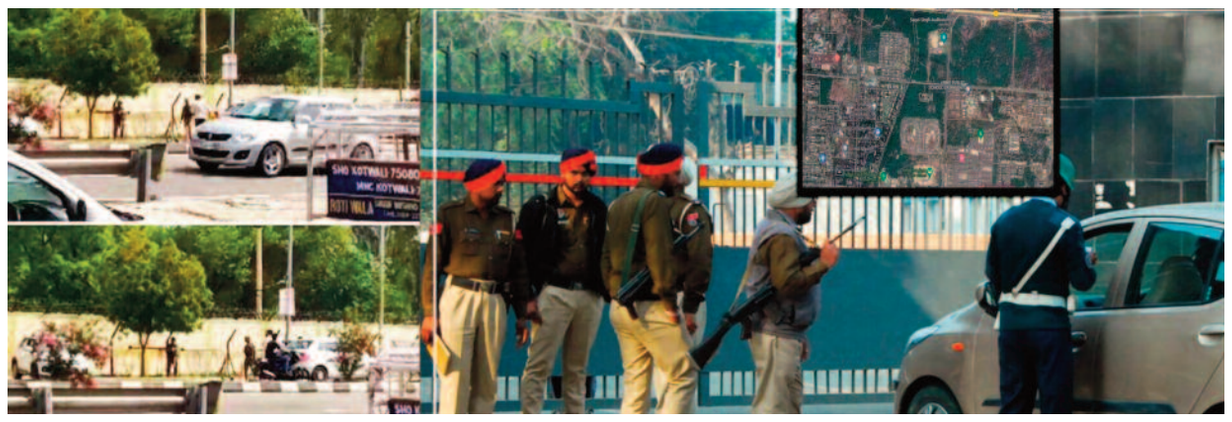

बठिंडा,12अप्रैल2023(ए)। पंजाब का बठिंडा मिलिट्री स्टेशन सुबह करीब 4:35 बजे ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना से दहल गया। इस घटना में चार जवानों की मौत गई। पुलिस ने दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त अपनी ड्यूटी के बाद चारों जवान कमरे में सो रहे थे।

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन पर हुई बुधवार सुबह फायरिंग में आर्टिलरी यूनिट के चार जवानों की मौत की हो गई है। इधर, घटना के बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। एफआईआर के अनुसार चारों जवान - सागर, कमलेश, संतोष और योगेश अपनी ड्यूटी के बाद अपने कमरे में सो रहे थे।

नकाबपोश लोगों ने की फायरिंग

तभी सफेद कुर्ता पजामा पहने दो नकाबपोश लोगों ने उन पर राइफलों से अंधाधुंध फायरिंग कर दी और फिर धारदार हथियारों से हमला किया। इस पूरे मामले में पुलिस ने दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

घटना पर भारतीय सेना ने बताया कि सर्च टीम ने मैगजीन के साथ इंसास रायफल बरामद की है। सेना और पुलिस की संयुक्त टीमें अब और जानकारी हासिल करने के लिए हथियार का फोरेंसिक विश्लेषण करेंगी। हथियार में राउंड की बची संख्या फोरेंसिक विश्लेषण के बाद ही उपलब्ध होगी।

अभी तक किसी को नहीं पकड़ा

वहीं आगे बताया कि पंजाब पुलिस के साथ संयुक्त जांच जारी है। हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी व्यक्ति को हिरासत में नहीं लिया गया है।

इस घटना पर सुरिंदरपाल सिंह परमार एडीजीपी ने बताया कि सुबह 4:30 बजे फायरिंग की घटना हुई थी जिसमें 4 लोगों की मृत्यु हो गई है। सर्च ऑपरेशन जारी है। हम सेना के अधिकारियों के संपर्क में हैं। राइफल चोरी होने को लेकर 2-3 दिन पहले स्ढ्ढक्रदर्ज की गई थी, जिसकी जांच की जा रही है। घटना की नहीं मिला आतंकी एंगल इससे पहले पंजाब पुलिस के सूत्रों के हवाले से खबर आई थी कि बठिंडा मिलिट्री स्टेशन फायरिंग की घटना में कोई आतंकी एंगल नहीं है। इलाके में दहशत का माहौल है। छावनी के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। इधर, इस घटना के बादसेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की पूरे घटनाक्रम की जानकारी विस्तार से दी।

पंजाब पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक दो दिन पहले मिलिट्री स्टेशन से इंसास राइफल और 28 जिंदा कारतूस गायब हो गए थे। जिसकी सूचना पुलिस को भी दी गई थी।

स्कूल में 'बम की धमकी' से मचा हड़कंप

» खाली कराया गया कैंपस

नई दिल्ली,12अप्रैल 2023 (ए)। दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी स्थित द इंडियन स्कूल के अंदर एक धमकी भरा ईमेल आया कि स्कूल के अंदर बम लगाया गया है। इसके बाद आनन-फानन में अभिभावकों को बुलाकर बच्चों को घर भेजा जा रहा है।

वहीं, स्कूल के अंदर बम निरोधक दस्ता भी पहुंचा है। साथ ही स्थानीय पुलिस भी पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस की साइबर टीम ईमेल से संबंधित जानकारी जुटाने के लिए जांच में जुट गई है।

ई-मेल के जरिये मिली बम की धमकी

स्कूल में बम रखे जाने की धमकी वाला ईमेल आज सुबह 10 बजकर 49 मिनट पर मिला था। स्कूल प्रबंधन ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। इसके तुरंत बाद दिल्ली पुलिस के जवान, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची। स्कूल को खाली कराया गया और परिसर की पूरी तलाशी ली गई, लेकिन अब तक कोई बम नहीं मिला है। स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि इस हरकत के पीछे कुछ शरारती बच्चों का हाथ हो सकता है।

पहले भी हुई है ऐसी घटना

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है बल्कि इससे पहले भी इस स्कूल में ऐसी घटना हो चुकी है। 28 नंवबर 2022 को भी द इंडियन स्कूल में बम होने की सूचना से अफरा-तफरी मच गई थी। सूचना पर मौके पर स्थानीय पुलिस, बम डिस्पोजल स्क्वाड और डाग स्क्वाड पहुंच गए और स्कूल को खालीकराकर पूरे स्कूल की जांच की थी। इस दौरान स्कूल में कोई बम नहीं मिला थी।

लालू यादव की बेटी रागिनी यादव से ईडी ने रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले में की पूछताछ

नई दिल्ली/पटना ,12अप्रैल 2023 (ए)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। नौकरी के बदले जमीन घोटाले के मामले में लालू के बेटे तेजस्वी यादव और बेटी मीसा भारती से ईडी पहले ही पूछताछ कर चुकी है। परंतु अब ईडी ने लालू यादव की एक और बेटी को पूछताछ के लिए बुलाया है। जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद की बेटी रागिनी यादव का रेलवे घोटाले में कथित जमीन के बदले नौकरी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बयान दर्ज किया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।सूत्रों ने बताया कि रागिनी यादव बुधवार को पूछताछ के लिए एजेंसी के सामने पेश हुईं। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया गया है।

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल ने कोर्ट में किया सरेंडर,तीसरी बार गईं जेल

रांची,12अप्रैल 2023 (ए)। मनरेगा एवं माइनिंग घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की आरोपी निलंबित आईएएस पूजा सिंघल ने अदालत से मिली अंतरिम जमानत की अवधि पूरी होने के बाद बुधवार को ईडी कोर्ट में सरेंडर किया। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। यह तीसरी बार है, जब वह इस मामले में जेल भेजी गई हैं। सिंघल ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसपर कल यानी गुरुवार को सुनवाई होनी है।

फरवरी 2023 में उनकी बेटी के मेडिकल ग्राउंड पर दो महीने के लिए अंतरिम जमानत मिली थी। इसके पहले भी बीते 4 जनवरी को कोर्ट ने इसी आधार पर उन्हें सशर्त जमानत प्रदान की थी। इस दौरान उन्हें झारखंड से बाहर रहने का निर्देश दिया गया था।

बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग के इस मामले में पूजा सिंघल पर पीएमएलए कोर्ट में बीते दिनों आरोप तय कर दिए गए हैं और उनके खिलाफ ट्रायल की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। ईडी की ओर से पूजा सिंघल समेत अन्य के खिलाफ दाखिल की गई गई चार्जशीट में बताया गया है कि चतरा, खूंटी और पलामू में डीसी रहते हुए उनके खाते में सैलरी से 1.43 करोड़ अधिक आए थे।

ईडी ने इन तीनों जिलों में उनके डीसी के कार्यकाल के दौरान के अलग-अलग बैंक खातों व दूसरे निवेश की जानकारी जुटाई। खूंटी में मनरेगा का घोटाला फरवरी 2009 से जुलाई 2010 के बीच हुआ। उस समय पूजा सिंघल वहां की डीसी थीं।

ईडी ने पिछले साल 6 मई को तत्कालीन खान सचिव पूजा सिंघल के सरकारी व निजी आवास, उनके पति अभिषेक झा और उनके सीए सुमन सिंह समेत 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। सीए सुमन सिंह के आवास से ईडी को 19.31 करोड़ रुपए नगद बरामद हुए थे। इसके बाद 11 मई को ईडी ने पूजा सिंघल को गिरफ्तार किया था।

अपना ही हेलिकॉप्टर गिराने वाले ग्रूप कैप्टन की बर्खास्तगी के आदेश

नई दिल्ली ,12अप्रैल 2023 (ए)। भारतीय वायुसेना ने बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान श्रीनगर में अपने ही एक एमआई-17 हेलिकॉप्टर पर मिसाइल दागने के आरोप में श्रीनगर वायु सेना स्टेशन के तत्कालीन सीओओ ग्रूप कैप्टन सुमन रॉय चौधरी को बर्खास्त करने का आदेश दिया है। बता दें कि ये मामला आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के पाकिस्तान स्थित ठिकाने बालाकोट में इंडियन एयरफोर्स के एयरस्ट्राइक के एक दिन बाद का है। 27 फरवरी 2019 को हुई इस घटना में इंडियन एयरफोर्स के एमआई-17 हेलिकॉप्टर को एक मिसाइल से निशाना बनाया गया था।

ये घटना 27 फरवरी की है। इससे पहले 26 फरवरी को इंडियन एयरफोर्स के मिराज विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में घुसकर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के अड्डे को नेस्तानाबूद कर दिया था। इस हमले के बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ था। 27 तारीख की सुबह पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में भारत के सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की थी। इस दौरान आसमान में भारत और पाकिस्तान के फाइटर एयरक्रॉफ्ट में भीषण जंग हुई थी।

'मोदी सरनेम' मामले में राहुल गांधी को 25 अप्रैल को अदालत में उपस्थित होने का आदेश

पटना ,12अप्रैल 2023 (ए)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार जहां दिल्ली में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से मिल रहे हैं, वहीं बिहार की एक अदालत ने मानहानि के एक मामले में राहुल को 25 अप्रैल को हाजिर होने का आदेश दिया है।

पटना एमपी एमएलए अदालत ने राहुल गांधी को मानहानि के एक मामले में बुधवार को हाजिर होने का आदेश दिया था, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए। इस मामले की अगली सुनवाई 25 अप्रैल को होगी। अदालत ने इस दिन राहुल को पेश होने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि पटना की एमपी-एमएलए अदालत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार

मोदी ने 2019 में मानहानि का मुकदमा दायर किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने कर्नाटक की जनसभा में मोदी सरनेम वालों को चोर कहा था।

मोदी के अधिवक्ता एस.डी. संजय ने बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान अदालत को कहा कि गांधी जान बूझकर मामले को लम्बा खींचने को लेकर अदालत में नहीं आ रहे हैं। उन्होंने अदालत से उनकी जमानत को रद्द करते हुए उनके विरुद्ध गैरजमानतीय अधिपत्र जारी किये जाने का अनुरोध किया।

इधर, राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस मामले में राहुल की पेशी की तारीख आगे बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 25 अप्रैल को होगी।

राजस्थान को मिली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस

पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली ,12अप्रैल 2023 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राजस्थान को अजमेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात दी है। इस मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजस्थान की धरती को आज पहली वंदे भारत ट्रेन मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को राजस्थान की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान पीएम मोदी ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली कैंट-अजमेर वंदे भारत एक्सप्रेस से जयपुर और दिल्ली के बीच आना-जाना और आसान हो जाएगा। यह ट्रेन राजस्थान की टूरिज्म इंडस्ट्री को भी मदद करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान कहा, 'मुझे खुशी है कि वंदे भारत ट्रेन आज विकास, आधुनिकता, आत्मनिर्भरता और स्थिरता का पर्याय बन चुकी है। आज की वंदे भारत की यात्रा कल हमें विकसित भारत की यात्रा की ओर ले जाएगी।' उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक सेमी हाई स्पीड ट्रेन है, जो मेड इन इंडिया है। वंदे भारत पहली ऐसी ट्रेन है जो इतनी कंपैक्ट और एफिशिएंट है। वंदे भारत पहली ट्रेन है, जो स्वदेशी सेफ्टी सिस्टम कवच के अनुकूल है। पीएम मोदी ने इसके साथ ही कहा कि जब से ये आधुनिक ट्रेनें (वंदे भारत) शुरू हुई हैं, तब से करीब करीब 60 लाख लोग इन ट्रेनों में सफर कर चुके हैं। तेज रफ़्तार वंदे भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ये लोगों का समय बचा रही है। तेज रफ़्तार से लेकर खूबसूरत डिजाइन तकज वंदे भारत ट्रेन तमाम खूबियों से संपन्न है। इन्हीं सब खूबियों को देखते हुए आज देश में वंदे भारत ट्रेन का गौरवगान हो रहा है।'

टिकट से वंचित एक और भाजपा नेता ने राजनीति से संन्यास की घोषणा की

दक्षिण कन्नड़ ,12अप्रैल 2023 (ए)। कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा को एक और झटका देते हुए, सुलिया निर्वाचन क्षेत्र से छह बार के विधायक, मत्स्य, बंदरगाह और अंतदेर्शीय जल परिवहन मंत्री एस. अंगारा ने आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट से इनकार किए जाने के बाद सक्रिय राजनीति से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की है।

अंगारा को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट से वंचित किया गया था। उन्होंने चुनाव प्रचार में भी हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। उन्हें सुलिया निर्वाचन क्षेत्र

में अपराजेय राजा के रूप में जाना जाता है। उन्हें शुरुआत में एक बार हार का सामना करना पड़ा था और आज तक अजेय रहे हैं। उनकी जगह भागीरथी मुरुल्या ने ली है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा विकास ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच संदेह पैदा कर दिया है कि किस पर भरोसा किया जाए। विकास उन लोगों के लिए टिकट दिखाता है जो लॉबिंग करते हैं और लॉबिंग नहीं करने वालों के लिए कोई टिकट नहीं है।

अंगारा ने कहा कि मैं पार्टी और नेताओं के बारे में शिकायत नहीं करूंगा। मेरा ही कदम मेरे खिलाफ गया। बहुत हो चुकी राजनीति, यही अंत है। उन्होंने समझाया कि बिना किसी काले निशान के पार्टी और समाज के लिए इन सभी वर्षों से ईमानदार राजनीति के अभ्यास का सम्मान और सम्मान करने का यह तरीका नहीं है।

मुश्किलों में घिरे तेजस्वी यादव

» लैंड फॉर जॉब केस में ईडी ने बनाया आरोपी, मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज

पटना ,12अप्रैल 2023 (ए)। जमीन के बदले नौकरी घोटाले में उलझे लालू यादव के परिवार की मुश्किलें कम नहीं हो रही है। लालू यादव के बेटे व बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मंगलवार को इडी की नयी दिल्ली स्थित दफ्तर में हाजिर हुए। ईडी के अधिकारियों ने नौ घंटे से भी अधिक समय तक तेजस्वी यादव से पूछताछ की। इस दौरान उनसे आमदनी और परिवार की संपत्ति से जुड़े सवाल पूछे गए।बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीबीआई की एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत अलग से मामला दर्ज किया। इसमें तेजस्वी यादव को आरोपी बनाया गया।

अमृतपाल की सूचना देने वाले को मिलेगा इनाम

मोबाइल नंबर जारी,रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने लगाए पोस्टर

बटाला,12अप्रैल 2023 (ए)। वारिस पंजाब दे' संगठन का चीफ अमृतपाल सिंह अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। कई राज्यों की पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। इस बीच बटाला रेलवे स्टेशन पर भगोड़े अमृतपाल के पोस्टर लगाए गए है। इस पोस्ट में अमृतपाल की जानकारी देने वाले को उचित इनाम देने की बात कही गई है। इसके साथ ही सूचना देने के लिए दो मोबाइल नंबर भी जारी किए गए हैं।

यह पोस्टर जीआरपी की तरफ से लगाए गए हैं। इन पोस्टरों पर लिखे फोन नंबरों पर सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखने की बात भी की गई है। वहीं सरबत खालसा को देखते हुए जिला पुलिस बटाला के सभी थाना क्षेत्रों मे सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बटाला रेलवे स्टेशन की मेन एंट्री और प्लेटफार्म पर अमृतपाल के पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों पर जीआरपी के दो फोन नंबर 9779902151, 8288075736 दिए गए हैं। पोस्ट पर लिखा गया है कि वांछित अमृतपाल की सूचना देने वाले का नाम-पता गुप्त रखा जाएगा।

संपादकीय

इस झटके से सीखें

विपक्षी दलों को अभी इस बात का अहसास ही नहीं है कि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में चीजें किस हद तक बदल चुकी हैं। वरना, एक राजनीतिक मामले में न्यायिक राहत पाने की उम्मीद सिरे से निराधार थी।

केंद्रीय एजेंसियों की विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई के मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने की 14 विपक्षी दलों की साझा रणनीति आरंभ से समस्याग्रस्त थी। इससे यह संकेत मिला कि विपक्षी दलों को अभी इस बात का अहसास ही नहीं है कि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में चीजें किस हद तक बदल चुकी हैं। सार यह है कि एक राजनीतिक मामले में न्यायिक राहत पाने की उम्मीद निराधार थी। वैसे इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी से विपक्ष चाहे, तो आगे लिए सीख ले सकता है। न्यायालय ने यह कहा है कि विपक्ष अपनी राजनीतिक लड़ाई को कोर्ट के सिर पर डालना चाहता है। सुप्रीम कोर्ट की एक दूसरी टिप्पणी ने राजनीति बनाम न्याय प्रक्रिया की बहस को और स्पष्टता प्रदान की है। कोर्ट ने कहा कि कानूनन आम व्यक्ति और राजनेता में फर्क करना संभव नहीं है। यह बात तार्किक है। आखिर केंद्रीय एजेंसियां जो कार्रवाई कर रही हैं वे किसी ना किसी व्यक्ति के खिलाफ होती हैं, जो राजनेता भी है।

उस व्यक्ति पर आरोप लगाए जाते हैं। फिर उनकी जांच शुरू की जाती है। चूंकि विपक्षी नेताओं के मामले में इसका का ट्रेंड बन गया है, इसलिए यह धारणा बनी है कि विपक्षी नेताओं को योजनाबद्ध ढंग से निशाना बनाया जा रहा है। लेकिन कोर्ट धारणा के आधार पर काम नहीं कर सकता। वह न्याय के सिद्धांत और साक्ष्य के आधार पर काम करता है। यह वैधानिक स्थिति है। बहरहाल, व्यवहार में न्यायपालिका के बारे में भी एक धारणा बनती गई है। वो यह कि न्यायपालिका आज के सत्ता पक्ष के राजनीतिक मकसदों को साधने में सहायक बन रही है। कम से कम निचले स्तरों पर ऐसा होने के संदेह पैदा हुए हैं। वैसे ऊपरी स्तर पर भी जिस तरह संविधान संशोधन जैसे अनेक मामलों को लटका कर रखा गया है, उससे ऐसी धारणा को बल मिला है। कहा जा सकता है कि केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ याचिका दायर करने के मामले में विपक्ष ने इन दोनों धारणाओं को ध्यान में नहीं रखा। नतीजा यह हुआ है कि इस मामले में उसने सत्ता पक्ष को यह तर्क प्रदान किया है कि विपक्ष सुप्रीम कोर्ट में हार गया।

जमूरों के भरोसे चलता आभासी-संसार

अब राहुल हों या नरेंद्र भाई, इतना बड़ा देश है, किस-किस को फॉलो करें? जिसे न करें, वही मुंह फुला लेगा। एक अनार, सौ बामारों का कैसे इलाज़ करे? इसलिए अपने अनुगामियों की तुलना में नरेंद्र भाई सिर्फ़ 0.003 प्रतिशत लोगों को और राहुल महज़ 0.001 फ़ीसदी लोगों को ही फॉलो करते हैं। मैं तो मानता हूं कि इतना बड़प्पन दिखाना भी जनतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए काफी है। वरना संसार के सब से बड़े लोकतंत्र का राष्ट्रपति को पूरा ठेंगा ही दिखाए बैठा है।

आप ही की तरह इतनी तो अक्ल मुझ में भी है कि मैं समझ सकता हूं कि नरेंद्र भाई मोदी और राहुल गांधी जैसे बड़े लोग अपने आभासी-मंचों यानी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का संचालन खुद नहीं करते हैं। इस काम के लिए वे एक टोली रखे रहते हैं। ठीक भी है। अगर ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर वे स्वयं ही बैठे रहेंगे तो देश कब चलाएंगे? और, देश नहीं चलाएंगे तो देश चलेगा कैसे? सो, देश को चलाने की ख़ातिर वे आभासी-संसार में अपनी मौजूदगी बनाए रखने का ज़िम्मा दूसरों पर छोड़ देते हैं और फिर यह दूसरों की बुद्धि पर है कि वे अपने-अपने ज़िल्ले-सुब्हानी की कैसी शक्ल दुनिया के सामने पेश करते हैं।

मगर नरेंद्र भाई हों या राहुल, अपने नाम से चलने वाली चूं-चूं मुठिया यानी ट्विटर और शक्ल-पुस्तिका यानी फेसबुक पर परोसी जा रही सारी सामग्री के लिए तकनीकी और नैतिक तौर पर ज़िम्मेदार तो वे खुद ही माने जाएंगे न! सो, अगर उन की तरफ़ से 'शीशी भरी गुलाब की' जैसी कोई ट्रक-टेंपो शेर-ओ-शायरी पोस्ट होती है तो लोग तो उन्हीं पर हंसेंगे। लोगों को भले ही मालूम हो कि यह नरेंद्र भाई या राहुल के दिमाग़ की नहीं, उन की टोली के किसी नन्हे-मुन्ने राही के अधकचरे मस्तिष्क की उपज है ङ्क इतनी जवाबदेही तो मूल खातेदार की मानी ही जाएगी कि उस ने अपने बहीखातों के पन्नों पर ऐसे जमूरे बिठा क्यों रखे हैं?

ज़्यादातर बड़े लोग इसलिए बड़े हैं कि उन्हें तो ज़माना फॉलो करता है, मगर वे इने-गिनों को ही अपने सामाजिक संप्रेषण मंचों पर फॉलो करते हैं। मसलन, ट्विटर पर इस वक़्त सब से ज़्यादा फॉलोअर एलन मस्क के हैं। वे ट्विटर के मालिक जो ठहरे! जितने चाहें फॉलोअर बना लें। सो, उन के 13 करोड़ 38 लाख से ज़्यादा फॉलोअर हैं। मगर वे खुद सिर्फ़ 190 लोगों को फॉलो करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के करीब पौने चार करोड़ फॉलोअर हैं, लेकिन वे महज़ 47 को ही फॉलो करते हैं। अरे, अमेरिकी राष्ट्रपति हैं भाई, कोई सड़क-चलते थोड़े ही हैं। यह अलग बात है कि उन के पूर्ववर्ती बराक ओबामा के सामने वे फॉलोअर की तादाद में कहीं नहीं ठहरते हैं। ओबामा दुनिया में ट्विटर-अनुगामियों के मामले में मस्क के बाद दूसरे क्रम पर हैं। उन की गठरी में 13 करोड़ 30 लाख फॉलोअर हैं, मगर वे इतने उदार भी हैं कि 5 लाख 62 हज़ार से ज़्यादा लोगों को खुद भी फॉलो करते हैं।

हमारे नरेंद्र भाई के पौने नौ करोड़ से ज़्यादा फॉलोअर हैं। वे ढाई हज़ार से कुछ ज़्यादा लोगों को फॉलो भी करते हैं। हाथ धो कर जिन राहुल गांधी के वे पीछे पड़े हैं, उन राहुल के ट्विटर-अनुगामियों की संख्या 2 करोड़ 32 लाख है, मगर राहुल खुद सिर्फ़ 269 को ही

फॉलो करते हैं। नरेंद्र भाई अब तक 38 हज़ार से ज़्यादा ट्वीट कर चुके हैं। राहुल ने पौने 7 हज़ार के आसपास ट्वीट किए हैं। राहुल ने ट्विटर पर अपना खाता अप्रैल 2015 में खोला था और नरेंद्र भाई ने जनवरी 2009 में। इस हिसाब से राहुल औसतन सवा दो ट्वीट हर रोज़ करते हैं और नरेंद्र भाई सवा 7 ट्वीट हर रोज़।

राहुल और नरेंद्र भाई दोनों अपने-अपने ट्विटर पर ऐसे-ऐसों को फॉलो करते हैं कि आप दंग रह जाएं। दोनों की ही सूची में ऐसे-ऐसे शामिल नहीं हैं कि आप देख कर चकित रह जाएं। मैं नहीं कहता कि वे जिन के अनुगामी हैं, उन के नाम देख कर या वे जिन के अनुगामी नहीं हैं, उन्हें सूची में अनुपस्थिति देख कर नरेंद्र भाई या राहुल के बारे में कोई राय बनाई जानी चाहिए। क्योंकि दोनों को इस संदेह का लाभ मिलना चाहिए कि वे ट्विटर पर किस का अनुगमन करेंगे और किस का नहीं ङ्क यह भी उन की तरफ़ से उन की लिपिक-टोली ने तय कर दिया होगा। लेकिन फिर भी व्यवस्था के मानस को समझने के लिए यह जानना दिलचस्प तो है ही कि वे किन्हें फॉलो करते हैं।

तो आप को यह जान कर हैरत हो सकती है कि राहुल गांधी देश भर के जिन महज़ छह बुद्धिजीवियों और पत्रकारों को फॉलो करते हैं, वे हैं -मृणाल पांडे, राघव बहल, पी, साईनाथ, सायमा, नंदन नीलकेनी और कौशिक बसु। अगर आप सोचते हैं कि नरेंद्र भाई के ख़िलाफ़ झंडा बुलंद किए घूम रहे लेखकों, पत्रकारों, टीवीकर्मियों और यूट्यूब-सूत्रधारों को तो राहुल ज़रूर फॉलो करते होंगे तो चाहें तो अपने एकदम ग़लत होने पर विलाप कर लें! लेकिन नरेंद्र भाई हैं कि राहुल के रोम-रोम का विश्लेषण करने वाला शायद ही कोई ऐसा कलाकार-पत्रकार होगा, जिसे वे ट्विटर पर फॉलो नहीं करते हैं। मैं अनुपम खेर, शेखर कपूर और विवेक अग्निहोत्री की ही नहीं, सुधीर चौधरी, रूबिका लियाकत, सुशांत सिन्हा, गौरव आर्य और सुमित अवस्थी से ले कर, और-तो-और, अमन चोपड़ा तक की भी बात कर रहा हूं। बस, गिनते चले जाइए।

कांग्रेस के जिन 'दिग्गजों' को राहुल फॉलो करते हैं, उन के नाम मैं आप को क्या बताऊं? लेकिन यह मैं आप को ज़रूर बताना चाहता हूं कि दिल्ली के सिर्फ़ तीन कांग्रेसियों को वे फॉलो करते हैं ङ्क अजय माकन, अनिल चौधरी और अमृता धवन। उन की सूची में जयप्रकाश अग्रवाल, सुभाष चोपड़ा, हारून यूसुफ़, संदीप दीक्षित, रागिनी नायक, अलका लांबा, अरविंदर सिंह लवली, वग़ैरह कोई नहीं है। इसी तरह मध्यप्रदेश में अरुण यादव तो राहुल की सूची में हैं, मगर सुरेश पचौरी और अजय सिंह राहुल नहीं। कांग्रेस-अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चार में से दो कार्यालयीन समन्वयकों को राहुल फॉलो करते हैं, मगर बाकी दो को नहीं। मैं ऐसी बहुत-सी अजीबोगरीब विरोधाभासी मिसालें दे सकता हूं, मगर आप कहेंगे कि मैं बाल की खाल निकाल रहा हूं, सो, यहीं रुक जाता हूं।

अब राहुल हों या नरेंद्र भाई, इतना बड़ा देश है, किस-किस को फॉलो करें? जिसे न करें, वही मुंह फुला लेगा। एक अनार, सौ बामारों का कैसे इलाज़ करे? इसलिए अपने अनुगामियों की तुलना में नरेंद्र भाई सिर्फ़ 0.003 प्रतिशत लोगों को और राहुल महज़ 0.001 फ़ीसदी लोगों को ही फॉलो करते हैं। मैं तो मानता हूं कि इतना बड़प्पन दिखाना भी जनतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए काफी है। वरना संसार के सब से बड़े लोकतंत्र का राष्ट्रपति को पूरा ठेंगा ही दिखाए बैठा है। अमेरिका में तो किसी ने नहीं पूछा कि वह ऐसा क्यों कर रहा है? यहां कम-से-कम मैं यह सवाल तो कर रहा हूं कि अगर अपने ट्विटर-मंच को संतुलित बनाने के लिए थोड़े ज़्यादा दरवाज़ों पर दस्तक दे दोगे तो आप का कुछ बिगड़ जाएगा क्या?

लेकिन राहुल को ही क्यों कुछ कहूं? राहुल कम-से-कम 269 को तो फॉलो करते हैं, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे तो सिर्फ़ 86 पर ही रुके हुए हैं। मीडिया-संप्रेषण की भारी-भरकम और सब से अहम ज़िम्मेदारी निभा रहे प्रभारी महासचिव जयराम रमेश तो 72 पर ही लटके हुए हैं। पार्टी-संगठन के प्रभारी महासचिव के. सी. वेणुगोपाल 150 से आगे नहीं बढ़ रहे। इन तीनों से ज़्यादा केंद्रीय भूमिका तो कांग्रेस में इस वक़्त राहुल की भी नहीं है। सो, जब खड़गे, जयराम और वेणुगोपाल मेरे सामने हैं तो मैं राहुल की उदारता का अभिनंदन क्यों न करूं? भांग जब पूरे कुंए में पड़ी हो तो मैं किसे त्रैलोक्यविजया-प्रेमी कहूं, किसे नहीं?

पंकज शर्मा

प्रधानमंत्री मुद्रा योजनाः आजीविका के लिए ऋण समर्थन

इस योजना ने छोटे उद्यमों को समर्थन दिया है और शुरुआत के आठ वर्षों में भारतीय सूक्ष्म-ऋण इकोसिस्टम को पुनर्जीवित किया है

भारत की प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ने 8 अप्रैल को आठ वर्ष पूरे किए हैं, ऐसे में हम इस ऋण समर्थन कार्यक्रम द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए परिवर्तनों पर नज़र डाल सकते हैं, जिसकी परिकल्पना 2014-15 के निराशा से भरे दिनों में की गई थी, जब हमारा औपचारिक वित्तीय क्षेत्र, विशेष रूप से देश के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने पर इसके प्रभाव को लेकर, खराब ऋणों के दौर से गुजर रहा था। पीएमएमवाई केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं में से एक है, जो स्व-रोजगार को प्रोत्साहित करती है। यह योजना उन सूक्ष्म और स्वयं के प्रयासों से परिचालित उद्यमों को लक्षित करती है, जो भारत में एक जीवंत व्यापार इकोसिस्टम का निर्माण करते हैं। सूक्ष्म उद्यम ज्यादातर विनिर्माण, प्रसंस्करण, व्यापार और सेवाओं से जुड़े हैं और इनमें से कई इकाइयां एकल-स्वामित्व वाले व्यवसाय की श्रेणी में हैं।

देश की औपचारिक या संस्थागत संरचना, इन इकाइयों तक पहुंचने और उनकी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ थी। ये इकाइयां बड़े पैमाने पर स्व-वित्तपोषित थीं या व्यक्तिगत नेटवर्क या साहूकारों पर निर्भर थीं। इस अंतर को ध्यान में रखते हुए, बैंक सुविधा से वंचित बड़े क्षेत्र और औपचारिक ऋणदाताओं के बीच आसान माध्यम बनाने के उद्देश्य से पीएमएमवाई की शुरुआत की गई थी। 2015 में शुरू की गयी पीएमएमवाई 10 लाख रुपये तक का गिरवी-मुक्त संस्थागत ऋण प्रदान करती है। यह ऋण सुविधा सदस्य ऋणदाता संस्थानों (एमएलआई) द्वारा दी जाती हैः जिनमें अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) और सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआई) शामिल हैं।

पीएमएमवाई के तत्वावधान में, सूक्ष्म इकाई विकास एवं पुनर्वित्तपोषण संस्थान (मुद्रा) ने तीन उप-योजनाएँ तैयार कीं, जिनमें केवल ऋण धनराशि की रकम की दृष्टि से भिन्नता हैः शिशु (50,000 रुपये तक के ऋण के लिए), किशोर (50,001 रुपये से 5 लाख रुपये तक के लिए) और तरुण (500,001 रुपये से 10 लाख रुपये तक के लिए)। शिशु, किशोर और तरुण के रूप में उप-योजनाओं के ये नाम भी लाभार्थी सूक्ष्म इकाई के विकास और इसकी धन संबंधी जरूरतों के चरण को दर्शाते हैं। कोई भी व्यक्ति, जो ऋण लेने का पात्र है और उसके पास एक छोटे व्यवसाय उद्यम के लिए व्यवसाय योजना है, योजना के तहत ऋण प्राप्त कर सकता है।

लॉन्च होने के बाद से, इस योजना में कई बदलाव हुए हैं। उदाहरण के तौर पर, सकारात्मक आर्थिक प्रभाव को अधिकतम करने के लिए इसके लक्षित क्षेत्र का विस्तार किया गया है। प्रारंभ में, पीएमएमवाई केवल विनिर्माण, व्यापार और सेवाओं के क्षेत्रों में आय सृजित करने वाले गतिविधियों को कवर करती थी। हालाँकि, 2016-17 से, कृषि से जुड़ी गतिविधियों और आजीविका को बढ़ावा देने वाली सहायक सेवाओं को भी इसके दायरे में लाया गया है; 2017-18 से, ट्रैक्टर और पावर टिलर की खरीद के लिए ऋण मंजूर किए गए हैं और 2018-19 से वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए दुपहिया वाहन खरीदने के लिए ऋण को भी शामिल किया गया है।

इस योजना ने कुल ऋण-वितरण में पहले तीन वर्षों में औसतन 33त्र की वृद्धि दर्ज की। इससे पता चलता है कि इसके प्रस्ताव का लोगों ने स्वागत किया है। कोविड महामारी के प्रकोप और उसके बाद आर्थिक गतिविधियों में मंदी ने इन ऋणों की मांग को प्रभावित किया। इस चरण के दौरान, भारतीय रिजर्व बैंक

(आरबीआई) के एक विशेष राहत की घोषणा की, जिसके तहत सभी ऋण देने वाली संस्थाओं को योजना के अंतर्गत सभी किस्तों के भुगतान पर छह महीने की छूट देने का प्रावधान था।

अर्थव्यवस्था के फिर से खुलने के बाद पीएमएमवाई के तहत ऋण की मांग में तेजी आई है। अधिकांश श्रेणियों में, ऋण-वितरण कोविड-पूर्व के स्तरों को पार कर गए हैं। 24 मार्च 2023 तक, योजना का संचयी ऋण-वितरण धनराशि 22.65 ट्रिलियन रुपये है। शिशु ऋण की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40त्र है, जिससे पता चलता है कि पीएमएमवाई ने बड़े पैमाने पर पहली बार के उद्यमियों को समर्थन प्रदान किया है। पीएमएमवाई का आर्थिक प्रभाव अब अच्छी तरह से स्थापित हो चुका है। श्रम और रोजगार मंत्रालय के सर्वेक्षण के परिणामों के अनुसार, इस योजना ने 2015 से 2018 की अवधि के दौरान 11.2 मिलियन शुद्ध अतिरिक्त नौकरियां पैदा करने में मदद की थी।

पीएमएमवाई का सामाजिक प्रभाव भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे तीन स्तरों पर समझा जा सकता है। योजना के प्रभाव, विशेष रूप से इन तीन स्तरों पर हैं - (1) व्यापक सामाजिक समूह (2) महिलाएं और (3) अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्य।

पहले के संदर्भ में, पीएमएमवाई ने भारतीय समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित किया हैः सामान्य, अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) समूह और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)। हाल के दिनों में इन ऋणों का लाभ उठाने में ओबीसी और एससी की बढ़ती भागीदारी इस योजना की व्यापक पहुंच का संकेत देती है।

योजना की सबसे प्रशंसनीय उपलब्धियों में से एक है - महिला उद्यमिता को बढ़ावा। शुरुआत के बाद से इसके संचयी आंकड़ों में, महिलाओं द्वारा धारित खातों की हिस्सेदारी 69त्र है, जबकि मंजूर की गयी सूची में महिलाओं की हिस्सेदारी 45त्र है। योजना के पहले चार वर्षों में, महिला उद्यमियों के लिए ऋण-वितरण में औसतन 23त्र की वृद्धि दर्ज की गई। 2022 में, इसने 28त्र की मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए अपने कोविड-पूर्व के स्तर को पार कर लिया।

समावेश के अन्य उपायों में भी पीएमएमवाई का प्रदर्शन अच्छा रहा है। यह योजना अल्पसंख्यकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम रही है। अल्पसंख्यक समूहों के सदस्यों के लिए ऋण, 2022 में सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया और कुल ऋण में उनकी कुल हिस्सेदारी 10त्र रही, जिसमें शिशु और किशोर ऋण का हिस्सा, कुल संचयी ऋण-वितरण का 85त्र था।

चूंकि पीएमएमवाई एक राष्ट्रीय योजना है, संतुलित आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से इसकी सभी स्थानों पर उपस्थिति एक महत्वपूर्ण विचार है। भारत की विकास नीति का एक उद्देश्य देश के फलते-फूलते पश्चिमी और पिछड़े पूर्वी भागों के बीच के अंतर को कम करना रहा है। खातों की संख्या और वितरित धनराशियों पर आधारित हर्फ़िन्डहल सघनता सूचकांक का अनुमान, राज्यों और उत्पादों के सन्दर्भ में इस योजना के महत्वपूर्ण विस्तार को दर्शाता है। यह प्रभावशाली भौगोलिक कवरेज को इंगित करता है।

उत्तर प्रदेश, ओडिशा और बिहार जैसे राज्यों को पीएमएमवाई से कई तरह के लाभ हुए हैं। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा ने भी अपने कुल हिस्सेदारी में वृद्धि दर्ज की है (और किशोर और तरुण श्रेणियों में भी), जो लाभार्थियों के सन्दर्भ में, पूर्वी भाग की ओर प्रवाह का संकेत देती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, महाराष्ट्र, कर्नाटक और गोवा जैसे विकसित क्षेत्रों ने अपनी हिस्सेदारी में गिरावट देखी है, भले ही वे इस योजना में अपेक्षाकृत प्रमुख भूमिका में रहे हों। कुल मिलाकर, पीएमएमवाई ने, अपने संचालन के नौवें वर्ष के दौरान, सामाजिक समूहों में स्वरोजगार को बढ़ावा देकर, वाणिज्यिक-बैंक ऋण की दृष्टि से महिलाओं की भागीदारी दर को दोगुना करके और अल्पसंख्यक समूहों की भागीदारी को बढ़ावा देकर; लाभों के समान और निष्पक्ष स्थान-आधारित वितरण के अपने उद्देश्य हासिल किये हैं।

आने वाले वर्षों में, यह आवश्यक है कि पीएमएमवाई 5जी तकनीक और ई-कॉमर्स के लाभों को प्राप्त करे, भले ही मुद्रा कार्ड को और अधिक लोकप्रिय किया जा रहा हो। स्व-खाता उद्यमों के पंजीकरण और औपचारिकता को प्रोत्साहित करना, इस योजना को नई ऊंचाई पर ले जाने का एक और तरीका हो सकता है।विख्यात मानवविज्ञानी ऑस्कर लुईस ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक, 'द चिल्ड्रन ऑफ सांचेज' में तर्क दिया था कि गरीबी की संस्कृति समय के साथ खुद को कायम रखती है और अक्सर सीमाओं को पार कर जाती है। पीएमएमवाई ने, बहुत कम समय में, न केवल गरीबी की इस संस्कृति को समाप्त करने के प्रयास किये हैं और इसे बदल देने में सफल रहा है, बल्कि भारतीय सूक्ष्म-ऋण इकोसिस्टम में जीवंतता और 'कर-सकते-हैं' की भावना का संचार किया है। पीएमएमवाई स्पष्ट रूप से सामान्य समस्याओं का एक असामान्य समाधान रहा है।

सौम्य कांति घोष

नाचो-गाओ,खुशियां मनाओ कि आई बैसाखी

कृषि प्रधान देश भारत में बैसाखी पर्व का संबंध फसलों के पकने के बाद उसकी कटाई से जोड़कर देखा जाता रहा है। इस पर्व को फसलों के पकने के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। इसे विशेष तौर पर से पंजाब का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। वैसे देशभर में बैसाखी को बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। सिख समुदाय बैसाखी से ही नए साल की शुरूआत मानते हैं। इस दिन एक-दूसरे को बधाईयां दी जाती हैं। पंजाब में किसान तब अपने खेतों को फसलों से लहलहाते देखता है तो इस दिन खुशी से झूम उठता है। खुशी के इसी आलम में शुरू होता है गिद्दा और भांगड़ा का मनोहारी दौर। पंजाब में ढ़ोल-नगाड़ों की धुन पर पारम्परिक पोशाक में युवक-युवतियां नाचते-गाते और जश्न मनाते हैं तथा सभी गुरूद्वारों को फूलों तथा रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है।

उत्तर भारत में और विशेषतः पंजाब तथा हरियाणा में गिद्दा और भांगड़ा की धूम के साथ मनाए जाने वाले बैसाखी पर्व के प्रति भले ही काफी जोश देखने को मिलता है लेकिन वास्तव में यह त्यौहार विभिन्न धर्म एवं मौसम के अनुसार देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। पर्व की खूब धूम रहती है। पश्चिम बंगाल में इसे 'नबा वर्ष' के नाम से मनाया जाता है तो केरल में 'विशू' नाम से तथा असम में यह 'बीहू' के नाम से मनाया जाता है। बंगाल में 'पोइला बैसाखी' भी कहा जाता है और वे अपने नए साल की शुरुआत मानते हैं। हिन्दू धर्म की पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हजारों साल पहले इसी दिन मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। इसीलिए इस दिन गंगा आरती करने तथा पवित्र नदियों में स्नान करने की भी परम्परा रही है।

13 अप्रैल 1919 का बैसाखी का दिन आज भी चीख-चीखकर अंग्रेजों

के जुल्मों की दास्तान बखान करता है। दरअसल रोलट एक्ट के विरोध में अपनी आवाज उठाने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आव्हान पर इस दिन हजारों लोग जलियांवाला बाग में इकट्ठा हुए थे क्योंकि 'रोलट एक्ट' कानून के तहत न्यायाधीशों और पुलिस को किसी भी भारतीय को बिना कोई कारण बताए और उन पर बिना कोई मुकद्दमा चलाए जेलों में बंद करने का अधिकार दिया गया था। महात्मा गांधी के आव्हान पर भारतवासियों में इस कानून के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश उमड़ पड़ा था। इस काले कानून के विरोध में अमृतसर के जलियांवाला बाग में हजारों लोगों की एक विशाल जनसभा हुई थी लेकिन अंग्रेज सरकार ने बहुत खतरनाक षड्यंत्र रचकर जलियांवाला बाग में एकत्रित हुए लोगों को चारों ओर से घेरकर बिना किसी पूर्व चेतावनी के अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दी। उस दर्दनाक हत्याकांड में सैंकड़ों भारतवासी शहीद हो गए थे। हालांकि बाद में उस नृशंस हत्याकांड के सूत्रधार जनरल डायर की हत्या कर उसका बदला ले लिया गया था।

बैसाखी को सूर्य वर्ष का प्रथम दिन माना गया है क्योंकि इसी दिन सूर्य अपनी पहली राशि मेष में प्रविष्ट होता है और इसीलिए इस दिन को 'मेष संक्रांति' भी कहा जाता है। यह मान्यता रही है कि सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करने के साथ ही सूर्य अपनी कक्षा के उच्चतम बिन्दुओं पर पहुंच जाता है और सूर्य के तेज के कारण शीत की अवधि खत्म हो जाती है। इस प्रकार सूर्य के मेष राशि में आने पर पृथ्वी पर नवजीवन का संचार होने लगता है। इस तरह बैसाखी खुशियों का त्यौहार है। बैसाखी का पवित्र दिन हमें गुरू गोबिन्द सिंह जैसे महापुरूषों के महान् आदर्शों एवं संदेशों को अपनाने तथा उनके पद्चिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित करता है और हमें यह संदेश भी देता है कि हमें अपने राष्ट्र में शांति, सद्भावना एवं भाईचारे के नए युग का शुभारंभ करने की दिशा में सार्थक पहल करनी चाहिए।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

ठंडी चली हवाएं

ठंडी चलीं हवाएं ,पड़ने लगी फुहार।
आ जाओ हमनवा के,है मौसमे बहार।
फ़लक पे हो गई हैं , काबिज ये घटाएं ,
गरज रही हैं ले के,बिजली की ये कटार।
धड़कन बुला रही है,आ जाओ भी करीब,
दिल भी मचल के देखो, होने लगा बेदार।
महकी हुई फिजाएं ,दिलकश हुआ समां
गुलों के गलीचों से सजने लगा गुलज़ार।
है रहगुज़र पे चितवन , तेरे इंतजार में,
आ गया है चांद भी,किरनों का लिये हार।

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

कभी न होना तुम नाराज

कभी ना होना नाराज़
कि मेरी जान हो तुम
अभी नया है प्यार का साज़
कि मेरी जान हो तुम
खिली खिली रहा करो
ना मुरझाओ यूँ बेबात
हर दिन एक सा न होगा
चढ़ते-ढलते हैं हालात
हर रोज नई परवाज़
कि मेरी जान हो तुम
तुम तो तुम ही हो
तुम सा कोई ना देखा
तुम्हारे हाथों में पढ़ी
मैंने अपनी जीवन रेखा
दिल की है यही आवाज़
कि मेरी जान हो तुम
सागर सी ठहरी हो, कभी
नदियों सी चंचल तुम
ठिठका सा इक कदम
कहीं लहराता आंचल तुम
तुम्हारा भा गया अंदाज़
कि मेरी जान हो तुम
कभी ना होना नाराज़
कि मेरी जान हो तुम

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

रुठ गये बदरा

रुठ गए बदरा दिन फुहारों में गुजरा।
फूल न थे,जीवन फकत
खारों में गुजरा।
कभी कभी अपने गाँव की
भी सुध लो,
मासूम बचपन,जिन
गलियारों में गुजरा।
मिलने आना है,
वो वादा कर के भूल गए,
अपना सारा वक्त
चाँद सितारों में गुजरा।
हर लम्हा हम उस पल को ढूंढते रहे,
आया न पलट के,
जो पल बहारों में गुजरा।
वो पल ही कुछ और था,
जब तुम साथ थे,
सागर बेवजह ही
वक्त हजारों में गुजरा।

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

पुस्तकों को पढ़ रहे अब नौजवां कहाँ

पुस्तकों को पढ़ रहे
अब नौजवां कहाँ।
सच की राह चल रहें
अब नौजवां कहाँ।।
बुजुर्गों का सम्मान कर्ता
अब नौजवां कहाँ।
अधरों से मीठी बात कर्ता
अब नौजवां कहाँ।।
शरीर को कपड़ो से ढ़कता
अब नौजवां कहाँ।
अंगों को दिखाता नित कहता
अब नौजवां कहाँ।
गंदे है आचरण मगर प्रतीत
अब नौजवां कहाँ।
चेहरे बदलते नित मगर वयक्त
अब नौजवां कहाँ।।

प्रभात गौर
नेवादा
जंघई
प्रयागराज
उत्तर प्रदेश

मैं रंग बिरंगी फुलवारी हूँ

मैं रंग-बिरंगी पुष्पों की फुलवारी हूँ
मै वसुधा को बनाती सुंदर प्यारी हूँ।
मैं नीत नीत नूतन बहार लाती हूँ
मैं प्रकृति को पुष्पों से सजाती हूँ।
मैं हवा को सुरभित कर जाती हूँ
मैं सब के तन-मन को महकाती हूँ।
मैं तरुओं को हरा भरा बनाती हूँ
मैं पुष्पङ्ककली में रंग भर जाती हूँ।
मैं भ्रमर, तितलियों को लुभाती हूँ
मैं पंछी,कोयल को कुक लगवाती हूँ।
मैं मोर,पपीहरा को मोहित करती हूँ
मैं झूम-झुम,मस्त-मगन हो जाती हूँ।
मैं भोर में रवि का स्वागत करती हूँ
मैं सुरभित पुष्प का अर्पण करती हूँ।

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,
शिवरीनारायन
छत्तीसगढ़

जीवन चक्र

जीवन का अपना
एक अफसाना है
इन्सान का जग में
सिर्फ आना जाना है
कुछ पल का है ये
जीवन का खेल निराला
अँतिम दिन होगा
सब का तन मनकाला
अवतरण हो जब से
तुँ जग में आया है
गम दुःख मतलब
मोह माया का साया है
ये धन दौलत ये महल
ये तेरी इमारत
एक सराय की लिखी
सब तेरे बावत
पानी की बुलबुले की तरह
ये जीवन है
दिन रात जैसे
चौबीस पहर का जावन है
रोना और हंसने की
सब एक कहानी है
अपनापन कहने की
सब नादानी है
जो तन आया है जग में
वो एक दिन जायेगा
रंगमंच का सब किरदार
मानव कहलायेगा
जीवन का पटाक्षेप
जब हो जायेगा तेरा
सब कुछ जग में
छुट जायेगा ये है फेरा
घर बार सब छुटा है
उनका भी जगत में
जो कहता था सब है
मेरा इस गफलत में
कछु लेकर ना गया है
सिकन्दर भी महान
साथ कफन ही संग
जायेगा रे बेईमान
धन दौलत ये जवानी
बेकार है यहाँ
फिर किस बात पे
अपनी ये है ये जहाँ
फिर क्यूँ करता है
जीवन में मारा मारी
सब कुछ बिखर जलगा रे
मानव सारी
जगत में आया है
जो इन्सान यहाँ
कुछ पल का है
वो मेहमान वहाँ
ये जीवन तीन घंटे का
सिर्फ नाटक है
बस बंद होने का
सब एकफाटक है

उदय किशोर साह
जयपुर जिला
बाँका बिहार

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

धरना स्थल से रैली निकाल कर निकायों के प्लेसमेंट कर्मचारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

नियमितिकरण सहित अन्य मांगों को लेकर निकायों के प्लेसमेंट कर्मचारियों ने बुधवार को धरना स्थल से रैली निकाल कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। तीन सूत्रीय मांगों को लेकर निकायों के प्लेसमेंट कर्मचारी 10 से 12 अप्रैल तक धरना पर बैठे थे।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर तीन सूत्रीय मांगों को लेकर 10 अप्रैल से अंबिकापुर निगम के प्लेस्मेंट कर्मचारियों ने धरना पर थे। 12 अप्रैल को धरना स्थल कलेक्टोरेट चौक पर प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियों ने सभा को संबोधित किया और अपनी मांग सरकार पूरी करने की बात कही। इनकी प्रमुख मांगें प्लेसमेंट कर्मचारियों को नगरीय निकायों में समायोजन करने, नगरीय निकायों में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों को नियमित करने तथा नियमितीकरण तक 62 वर्ष की आयु तक नौकरी की सुरक्षा प्रदान एवं किसी भी प्लेसमेंट कर्मी को सेवा से पृथक न किए जाने की मांग की मांग शामिल है। अंबिकापुन नगर निगम के भाजपा पार्षदों ने प्लेसमेंट कर्मचारियों की मांग को जायज बताते हुए समर्थन किया है। प्लेसमेंट कर्मचारियों के तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन के अंतिम दिन बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, निगम नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंज, हरमिन्दर सिंह टिन्नी, विकास वर्मा, दूधनाथ गोस्वामी सहित अन्य भाजपा पार्षदों ने समर्थन किया। तीन सूत्रीय मांगों को लेकर निकायों के प्लेसमेंट कर्मचारी 10 से 12 अप्रैल तक धरना पर थे। अंतिम दिन बुधवार को कर्मचारियों ने धरना स्थल कलेक्टोरेट शाखा के सामने से रैली निकाल कर कलेक्टोरेट पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

कॉलेज की छात्राओं के बीच जमकर चले लात-घूसे

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

पीजी कॉलेज परिसर स्थित हॉकी स्टेडियम में बुधवार की दोपहर 2 कॉलेज की छात्राओं के गुट में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान छात्राओं ने एक-दूसरे पर जमकर लात-मुक्के चलाए। कोई किसी के बाल पकडक़र मारती दिखी तो कोई जमीन पर गिराकर थप्पड़ चलाती रही। वहां मौजूद अन्य छात्र-छात्राएं उन्हें छुड़ाते रह, लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं था। अंतत- मौके पर पुलिस बुलानी पड़ी। मारपीट का यह वीडियो वहां मौजूद छात्र-छात्राओं ने अपने मोबाइल में बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो देखकर लोग तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं।

छात्राओं के बीच मारपीट का वीडियो वहां मौजूद कुछ छात्राओं ने अपने मोबाइल पर बना लिया। वहीं सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान दोनों कॉलेज की छात्राएं वहां मौजूद थीं। पुलिस ने उन्हें समझाइश दी। फिलहाल छात्राओं द्वारा थाने में मारपीट की शिकायत दर्ज कराए जाने की सूचना नहीं है। इधर छात्राओं के बीच मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लोग इसपर तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। इस मामले में पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसएस अग्रवाल ने बताया कि पीजी कॉलेज के हॉकी ग्राउंड में लड़कियों के लडऩे की सूचना मिली थी तो वहां गया था। यहां पहले से डायल-112 की टीम पहुंची थी। वहां साई कॉलेज की भी कुछ छात्राएं भी थीं। मैंने साई कॉलेज के प्राचार्य को फोन लगाया तो उन्होंने किसी निजी कार्यक्रम में व्यस्त होने के कारण बाद में जानकारी देने की बात कही।

शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की अपील

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासनिक टीम मंगलवार की रात शहर की सडक़ों पर निकल कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। आईजी राम गोपाल गर्ग के मार्गदर्शन में एसपी भावना गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन के नेतृत्व में सरगुजा पुलिस एवं प्रशासनिक अमला द्वारा शहर की सडक़ों पर मौजूद होकर शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से लगातार पूछताछ कि गई एवं एसपी द्वारा असामाजिक तत्वों पर लगातार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। किसी भी प्रकार के अफवाहों में न आने एवं अफवाह फैलाने वालों की सूचना तत्काल सरगुजा पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 6266886061 पर देनें की अपील सरगुजा पुलिस ने आम नागरिकों से की है।

सुचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जायगा। वहीं किसी भी प्रकार का अफवाह फैलाने वाले व्यक्तियों पर सरगुजा पुलिस सख्त वैधानिक कार्रवाई की बात कही है।

सेवा भारती अंबिकापुर की सकारात्मक पहल-दानदाताओं का किया सम्मान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

सेवा भारती अंबिकापुर द्वारा दानदाताओं का सम्मान कार्यक्रम नवापारा में 11 अप्रैल की शाम को किया गया। कार्यक्रम के दौरान सेवाभारती के संरक्षक आईबी तिवारी ने शहर के दानदाताओं को भामाशाह की संज्ञा देते हुए उनके संवेदनशीलता की सराहना की। सेवा भारती द्वारा जनजाति छात्राओं के छात्रावास एवं मातृछाया के संचालन व्यवस्था की जानकारी दी। यह भी बताया कि अब तक मातृछया से 74 बच्चों को गोद दिया जा चुका है। इनमें से 10 बच्चे अमेरिका, इटली, स्पेन, माल्टा जैसे देशों में भी गए हैं। सेवा भारती समिति द्वारा पूर्व पदाधिकारियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर सम्मान किया गया। साथ ही अंबिकापुर नगर के 120 दान वीरों का समिति एवं अतिथियों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व गृह मंत्री रामविचार नेताम ने दानदाताओं के प्रशंसा करते हुए सेवा भारती के कुशल संचालन की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वयं को मुख्य अतिथि न कहकर सामान्य नागरिक के रूप में व्यक्त होना प्रसन्नता की अनुभूति कराता है। भविष्य में हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन भी दिया। विशिष्ट अतिथि ब्रम्हाकुमारी श्रद्धेय विद्या बहन ने समाज सेवा के माध्यम से प्राप्त पुण्य से जीवन की सार्थकता की बात कही। उन्होंने कहा कि यही हमारे मानव होने के औचित्य को सिद्ध करता है।

संघ पदाधिकारी भगवान भईया ने सभी को बधाई दी। सीनियर सिटीजन फोरम के अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि विष्णु प्रताप अग्रवाल ने कहा ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक भाव के निर्माण में सहायक होते है। इससे पूर्व विष्णु प्रताप अग्रवाल के साथ समूची टीम को सामाजिक योगदान हेतु विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में उद्बोधन एवं आभार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मातृछाया के अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल ने उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। एवं कहा कि सेवा एक भाव है जो अंतरात्मा से प्रकट होकर दूसरों के कष्टों का निवारण करता है सेवा में धर्म का भाव निहित है। इस अवसर पर उपस्थित मातृछाया की उपाध्यक्ष किरण अग्रवाल, सचिव वीरेंद्र त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष सतपाल अरोरा, छात्रावास की अध्यक्षा ज्योति द्विवेदी, उपाध्यक्ष वसुधा तिवारी, सचिव मधु शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रगति गुप्ता एवम सेवा भारती की समूची टीम, संघ कार्यकर्ता, दानदाता बन्धु भारी मात्रा में उपस्थित थे।

युवती से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

युवक द्वारा एक युवती को अन्य जगह लेजाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई थी। पीड़िता के रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पीड़िता ने थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि संतोष यादव साकिन गांधीनगर द्वारा प्रार्थिया को अन्यत्र जगह ले जाकर जबरन अनाचार किया गया हैं, प्रार्थिया कि रिपोर्ट पर सदर धारा 366, 342, 376(2)(एन), 506 एसटी एससी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। पुलिस ने जांच विवेचना पर आरोपी संतोष यादव साकिन गांधीनगर की घेराबंदी कर पकडक़र पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अनाचार की घटना कारित करना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे उप निरीक्षक विजय दुबे, सहायक उप निरीक्षक विनय सिंह, आरक्षक अमृत सिंह, अरविंद उपाध्याय, प्रवीण सिंह श्याम लाल, घनस्याम देवांगन, दिलबोधन राम शामिल रहे।

रात से लापाता युवक की कुएं में मिली लाश,जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हरता में बुधवार की सुबह एक ग्रामीण की लाश कुएं में मिली है। फिलहाल पुलिस मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतेजार कर रही है।

जानकारी के अनुसार शिववरण राम पिताा वृक्ष राम उम्र 35 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हरता का रहने वाला था। वह शराब पीने का आदि था। परेशान होकर इसकी पत्नी 5-6 माह पूर्व इसे छोडक़र दूसरी शादी कर ली थी। तब से वह घर में एक बेटी के साथ रहता था। वह प्रति दिन रात को काम कर जब घर आता था तो वह पास के कुएं पर नहाने जाता था। मंगलवार की रात को वह शराब के नशे में काम कर घर आया और रात करीब 8 बजे बिना बताए कहीं चला गया जो वापस नहीं लौटा। सुबह परिजन ने इसकी खोज की तो घर के कुछ दूरी पर कुएं के पास इसका कपड़ा मिला। परिजन ने कुएं में डूब जाने की आशंका पर मोटर लगाकर कुएं का पानी बाहर निकलवाया तो कुएं में उसकी लाश मिली। सूचना पर दरिमा पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस फिलहाल इस मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतेजार कर रही है।

नगर में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने प्रशासन अलर्ट शांति समिति की हुई बैठक

- संवाददाता -
लखनपुर,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला में हुए दो समुदाय के बीच विवाद के बाद नगर में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन अलर्ट एसडीएम श्रीमती शिवानी जयसवाल के नेतृत्व में राजस्व पुलिस की संयुक्त टीम नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने रात्रि कालीन गस्त कर रही है। सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार एसडीएम श्रीमती शिवानी जयसवाल के नेतृत्व में 12 अप्रैल दिन बुधवार की दोपहर लगभग 12-00 बजे लखनपुर थाना के सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आहूत की गई थी। इस बैठक में नायब तहसीलदार प्रांजल गोयल, थाना प्रभारी भोज कुमार गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि सभी समुदाय के वरिष्ठ जन स्थानीय मीडिया कर्मी शामिल हुए जहां प्रशासन के द्वारा नगर में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई साथ ही किसी भी प्रकार की भ्रामक असत्य व अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा इस प्रकार की सामग्री को सोशल मीडिया में शेयर ना करने की अपील की है। इस बैठक में कांग्रेस प्रदेश सदस्य विक्रमादित्य सिंहदेव, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष कृपाशंकर गुप्ता ,भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, ओबीसी पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष राजेंद्र जायसवाल, एल्डरमैन शराफत अली, नगर पंचायत नेता प्रतिपक्ष रमेश जायसवाल, अंबिकापुर विधानसभा अध्यक्ष आमिर सोहेल , इरशाद खान ,गप्पू खान, शमीम खान चैंबर्स कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज जिला महामंत्री सौरभ अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, शमीम खान साबिर अंसारी मुजीब खान सुरेंद्र साहू, सचिन अग्रवाल, हर्षवर्धन पांडे , हासिम खान जानिसार अख्तर ,मनोज कुमार प्रिंस वर्मा, आसिफ नूर, शहीद पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे।

भुनेश्वर साहू हत्या पर श्रद्धांजली अर्पित कर निकाली गई कैंडल मार्च

- संवाददाता -
रामानुजनगर,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

रामानुजनगर स्थित हिन्दूवादी संगठनों के द्वारा बेमेतरा जिले के बिरनपुर गांव भुनेश्वर साहू के निर्मम हत्या के विरोध विश्व हिन्दू परिषद , बजरंग दल व अन्य हिन्दूवादी संगठनों के द्वारा भुनेश्वर साहू के हत्या के विरोध में रामानुजनगर स्थित शिवमंदिर मे श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया जिसस मे संगठन के द्वारा प्रशासन से यह मांग किया की इस प्रकार के अपराधियों पर किसी भी प्रकार से कोई रियायत ना किया जावें इन्हे कठोर से कठोर सजा मिलना चाहिए और ऐसी कार्यवाही किया जाना चाहिए की भविष्य मे इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हों।

श्रद्धांजली सभा के उपरांत संगठन के सदस्यों के द्वारा मोमबत्ती जला कर शिवमंदर प्रांगण से होते हुए सुभाष चौक तक पैदल मार्च निकाला गया। इस अवसर पर संगठन के सदस्य राजेष कुमार साहू, जय प्रकाश उपाध्याय, राम निवास साहू, लिखन भगत, सुमंत साहू, मोहन सिंह, अमन तांजे, मोहन सिंह, देवेन्द्र सिंह, यादवेन्द्र दुबे, कमलेश, प्रहलाद मिश्रा, संतोष साहू, प्रदीप सहित काफी संख्या श्रृद्वाजली देने वाल लोग उपस्थित थें।

बेरोजगारी भत्ता योजना अंतर्गत 48 हितग्राहियों को मिला प्रमाण-पत्र

» पढ़ाई व प्रतियोगी परीक्षा के तैयारी में आर्थिक सम्बल मिलने की आस से युवाओं में उत्साह

- संवाददाता -
लखनपुर,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

राज्य शासन के निर्देशानुसार और कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले में बेरोजगारी भत्ता योजना का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सत्यापन दल द्वारा आवेदन व दस्तावेजों के सत्यापन उपरांत पात्र पाए जाने पर जनपद पंचायत लखनपुर के 48 हितग्राहियों को बुधवार को बेरोजगारी भत्ता का प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर एएल ध्रव, जनपद अध्यक्ष मोनिका सिंह, जनपद उपाध्यक्ष अमित सिंह देव, जनपद सीईओ लखनपुर वेद प्रकाश पाण्डेय मंडल संयोजक अरविंद गुप्ता सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं खंडस्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। राज्य शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना से पहले दिन से युवाओं में काफी उत्साह है। युवाओं में भरोसा है कि बेरोजगारी भत्ता के रूप में 2500 मिलने से आगे की तैयारी के लिए संबल मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि जिले में शासन की महत्वपूर्ण बेरोजगारी भत्ता योजना के अंतर्गत सत्यापन दल द्वारा आवेदन व दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है, तत्पश्चात पात्र आवेदकों को स्वीकृति आदेश प्रदान किए जा रहे हैं। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया लगातार जारी है। समय-समय पर आवेदनों और दस्तावेजों का सत्यापन कर पात्रता निर्धारण का काम भी किया जा रहा है। जिले में बेरोजगारी भत्ता के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं सत्यापन की व्यवस्था की गई है। करीब 119 सत्यापन केंद्र बनाए गए है, जहां बेरोजगारी भत्ता के लिए निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन की सुविधा है।

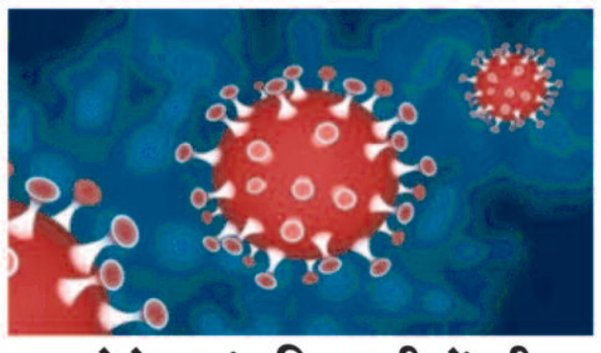

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या हुई 38,14 मिले नए मरीज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा में कोरोना संक्रमण की रफ्तार एक बार फिर बढऩा शुरू हो गया है। मंगलवार को जारी मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार 14 नए केस पाए गए हैं। वहीं पिछले तीन दिन के अंदर अब तक कुल 38 कोरोना संक्रमित मिल चुके हैं।

शासन के निर्देश के बाद जिला प्रशासन कोरोना को लेकर सख्त हो गई है। कोरोना के बचाव के गाइडलाइन को पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं लोग कोरोना के प्रति सतर्क नजर नहीं आ रहे हैं। वहीं लोगों के चेहरे से मास्क गायम है। वहीं पिछले तीन दिनों से कोरोना मरीज भी मिलने शुरू हो गए हैं। बुधवार को जारी मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार कुल 14 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। जिसमें 13 मरीज अंबिकापुर शहर से हैं। जबकि एक महिला लुण्ड्रा की है। वहीं तीन से चार दिनों में कुल 38 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। सभी कोरोना संक्रमित मरीजों को शहर के अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज 'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' का करेंगे शुभारंभ

योजना के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री बस्तर संभाग की 1840 ग्राम पंचायतों को प्रथम किश्त के रूप में 5-5 हजार रूपए की राशि जारी करेंगे

रायपुर,12 अप्रैल 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 13 अप्रैल को बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित 'भरोसे का सम्मेलन' में 'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' का शुभारंभ करेंगे। इस योजना के तहत आदिवासी पर्व एवं त्यौहारों के गरिमामय आयोजन के लिए राज्य शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को अनुदान दिया जाएगा। योजना के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल बस्तर संभाग की 1840 ग्राम पंचायतों को प्रथम किश्त के रूप में 5-5 हजार रूपए की राशि जारी करेंगे। मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' के तहत अनुसूचित क्षेत्र के ग्रामों में जनजातियों के उत्सवों, त्यौहारों के मेला, मड़ई, जात्रा पर्व, सरना पूजा, देवगुड़ी, नवाखाई, छेरछेरा, अक्ती, हरेली आदि उत्सवों, त्यौहारों, संस्कृति को संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत को प्रति वर्ष 10,000 रूपए की अनुदान राशि दो किश्तों में जारी की जायेगी।

मुख्यमंत्री बघेल ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज की संस्कृति और पर्वों की परम्परा के संरक्षण के लिए 'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' की घोषणा की थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में इस योजना के लिए 5 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। यह योजना छत्तीसगढ़ के समस्त अनुसूचित क्षेत्र (अनुसूचित जनजाति विकासखण्ड) में लागू होगी।

मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि का उद्देश्य आदिवासियों के तीज त्यौहारों की संस्कृति एवं परम्परा को संरक्षित करना एवं इन त्यौहारों, उत्सवों को मूल स्वरूप में आगामी पीढ़ी को हस्तांतरण तथा सांस्कृतिक परम्पराओं का अभिलेखन करना है। योजना की इकाई ग्राम (गांव) होंगे। योजना के लिए नोडल एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत होंगे।

योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम स्तरीय शासी निकाय एवं अनुभाग स्तरीय शासी निकाय का गठन किया जाएगा। निकाय का स्वरूप निम्नानुसार होगा-

ग्राम स्तरीय शासी निकाय में संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच अध्यक्ष होंगे। गायता, पुजारी, सिरहा, गुनिया, बैगा सदस्य होंगे। ग्राम स्तरीय शासी निकाय में ग्राम के दो बुजुर्ग, दो महिला, ग्राम कोटवार, पटेल और ग्राम पंचायत के सचिव सदस्य होंगे।

जनपद स्तरीय शासी निकाय में अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व अध्यक्ष होंगे और मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत इसके सदस्य सचिव होंगे। जनपद स्तरीय शासी निकाय में जनपद पंचायत के अध्यक्ष, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, तहसीलदार सदस्य होंगे। ग्राम में कौन-कौन से त्यौहारों में इस राशि का उपयोग किया जाना है इसका निर्धारण ग्राम स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। जनपद स्तर पर इस योजना के क्रियान्वयन के निगरानी एवं समन्वय हेतु जनपद स्तरीय शासी निकाय उत्तरदायी होगा।

कल रहेगी राष्ट्रीय अवकाश

» राज्य सरकार ने जारी किया आदेश

रायपुर,12 अप्रैल 2023 (ए)। अंबेडकर जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया है। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय अवकाश घोषित करते हुए कहा है कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को पूरे भारत देश में अवकाश घोषित किया गया है। वहीं केंद्र सरकार के बाद अब राज्य सरकार ने भी अंबेडकर जयंती पर सार्वजनिक अवकाश का आदेश जारी कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में हुए चावल घोटाले पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने केंद्रीय खाद्य मंत्री को लिखा पत्र

» चावल आवंटन में 2 बड़े घोटालों से कांग्रेस की सरकार ने छत्तीसगढ़ की गरीब जनता के मुंह का निवाला छीना है:डॉ रमन सिंह

रायपुर,12अप्रैल2023(ए)। आज छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा केराष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने केंद्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार द्वारा कोरोना काल में किए गए बड़े घोटाले का खुलासा किया है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि केन्द्र सरकार द्वारा कोविड महामारी के समय देश के 80 करोड़ गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत, प्रतिमाह प्रत्येक सदस्य को 5 किलो ग्राम अतिरिक्त चावल की व्यवस्था की गई, जो कि माह अप्रैल 2020 से वर्तमान तक नियमित रूप से प्रचलन में है।

केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत, छत्तीसगढ़ में निवासरत गरीब परिवारों के लिए 11 लाख 53 हजार 380 क्विंटल प्रतिमाह चावल राज्य सरकार को आवंटित किया जा रहा है. इस प्रकार अप्रैल 2020 से दिसम्बर 2022 तक (कुल 33 माह) केन्द्र सरकार द्वारा इस योजना अंतर्गत, राज्य सरकार को 3 करोड़ 80 लाख 61 हजार 540 क्विंटल चावल का अतिरिक्त आबंटन किया गया है एवं राज्य सरकार द्वारा माह अप्रैल 2020 से दिसम्बर 2022 तक गरीब परिवारों को इस योजना अंतर्गत मात्र 2 करोड़ 29 लाख 80 हजार 711 क्विंटल चावल वितरण किया गया है। इससे स्पष्ट है कि केन्द्र सरकार द्वारा गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत भेजे गए अतिरिक्त चावल में से राज्य सरकार ने 1 करोड़ 50 लाख 80 हजार 829 क्विंटल चावल का वितरण नहीं किया, जिसका वर्तमान में बाजार मूल्य ?3400 प्रति क्विंटल के अनुसार लगभग 5 हजार 127 करोड़ रूपये है।

उन्होंने आगे लिखा है कि इस तरह राज्य सरकार द्वारा कुल 5 हजार 127 करोड़ रूपये की अनियमितता की गई है. अभी कुछ दिन पहले विकासखंड सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम के शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ का प्रतिनिधिमंडल मुझसे मिला था. जिसने उपरोक्त अनियमितता के संबंध में मुझे जानकारी दी। छत्तीसगढ़ भाजपा द्वारा इस अनियमितता की बात उजागर होने पर राज्य सरकार का खाद्य विभाग पूरे प्रदेश के राशन दुकान संचालकों को नोटिस देकर चांवल की मात्रा जमा करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है जिससे पूरे प्रदेश में राशन संचालक संघ में आक्रोश है एवं जिससे प्रदेश की पीडीएस व्यवस्था चौपट होती जा रही है।

अतः आप से आग्रह है कि उपरोक्त विषय की जांच उच्च स्तरीय टीम से कराई जाए, जिससे प्रदेश की जनता को उसका अधिकार मिल सके।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने इस पत्र के उपरांत केंद्र सरकार द्वारा दिए गए चावल और राज्य सरकार द्वारा किए गए आवंटन के आंकड़े प्रस्तुत किए हैं जिसमें 1 करोड़ 50 लाख 80 हजार 829 क्विंटल चावल की अनियमितता स्पष्ट दिखाई दे रही है।

हनीफ ढेबर ईडी की कार्रवाई के खिलाफ पहुंचे हाईकोर्ट

बिलासपुर,12 अप्रैल 2023 (ए)। रायपुर मेयर एजाज ढेबर के बड़े भाई हनीफ ढेबर ने ईडी की कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की है। कोर्ट ने प्रकरण सिविल रिट अथवा क्रिमनल रिट याचिका के रूप में सुनवाई करेगा, इस पर आदेश सुरक्षित रखा है।

जस्टिस पी सैम कोशी की एकल पीठ में रायपुर के मेयर एजाज ढेबर के बड़े भाई, और कारोबारी हनीफ ढेबर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई हुई। याचिका में कहा गया कि ईडी ने समंस, और वारंट जारी किए बिना छापेमारी की। याचिकाकर्ता हनीफ ढेबर ने ईडी की कार्रवाई अवैध करार दिया, और कहा कि उनके निवास पर छापेमारी का एकमात्र कारण ढेबर परिवार से रिश्तेदारी है।

याचिकाकर्ता ने आगे कहा कि ईडी अफसरों ने छापेमारी के दौरान पूरे 24 घंटे घर से बाहर नहीं जाने दिया। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना चल रहा है। पिछले 45 साल से वो नमाज पढ़न. मस्जिद जाते हैं, लेकिन ईडी ने उन्हें जाने से रोक दिया। इससे वो व्यथित हैं। ईडी की कार्रवाई न सिर्फ दूषित है बल्कि उनके मौलिक अधिकारों का हनन हुआ है।कोर्ट ने याचिका को सिविल रिट अथवा क्रिमनल रिट याचिका के रूप में सुनवाई के लिए आदेश सुरक्षित रखा है। याचिकाकर्ता की तरफ से संदीप सिंह, हर्षवर्धन परगनिया ने पैरवी की।

राज्य सरकार ने लोगों को दी बड़ी राहत

» छत्तीसगढ़ में सस्ती हुई बिजली

रायपुर,12अप्रैल2023(ए)। राज्य सरकार ने लोगो को बड़ी राहत दी है छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा इस वर्ष 2023 में लगातार दूसरी बार वीसीए में कमी के कारण बिजली की दरें कम की गई हैं. अप्रैल-मई के आगामी बिजली बिल में वीसीए (वेरिएबल कॉस्ट एडजेस्टमेंट) 43 पैसे प्रति यूनिट लगेगा. इसके पहले फरवरी-मार्च के लिए वीसीए को 1.10 से घटा कर 78 पैसे प्रति यूनिट किया गया था. इस तरह प्रदेश में बिजली की दरें दो बार में कुलमिलाकर 67 पैसे प्रति यूनिट सस्ती हो गई हैं.

एक तरफ इस वर्ष राज्य विद्युत नियामक आयोग ने जहां विद्युत टैरिफ में किसी तरह की वृद्धि नहीं की है, वहीं दूसरी ओर वीसीए चार्ज भी कम हो गया है. इससे विद्युत उपभोक्ताओं को पर्याप्त राहत मिलेगी. छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग व्दारा अधिसूचित बहुवर्षीय टैरिफ सिद्धांतों के अनुरूप विनियम 2021 की कंडिका-93 में निहित प्रावधानों के अनुपालन में वर्ष 2022-23 के व्दैमासिक अवधि अर्थात् अप्रैल-मई 2023 के दौरान वेरियेबल कॉस्ट एडजेस्टमेंट का निर्धारण किया गया है. जिसके तहत वीसीए चार्ज 43 पैसे प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है. यह फरवरी-मार्च 23 के बिल में 78 पैसे तथा दिसंबर 22-जनवरी 23 के बिल में 1.10 पैसे प्रति यूनिट था. इस तरह दो बार में बिजली की दरों में 67 पैसे प्रति यूनिट की कमी आई है.

वीसीए चार्ज छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी व्दारा क्रय की गई बिजली की लागत के आधार पर तय होती है. छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा संयंत्र छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी से क्रय की गई बिजली सस्ती दर पर मिली है, जिसमें आयोग व्दारा निर्धारित लागत की तुलना में 34.93 करोड़ एवं जल व सौर स्त्रोतों से 10.13 करोड़ रुपए सस्ती बिजली मिली है, जबकि एनटीपीसी से विद्युत नियामक आयोग द्वारा अनुमोदित दर की तुलना में 288 करोड़ रुपए की अधिक देने पड़ रहे हैं.

विद्युत उत्पादन हेतु कोयला एवं तेल की आवश्यकता मुख्य रूप से ईंधन के रूप में विद्युत गृहों में होती है. इन दोनों प्रमुख घटकों की कीमत बाजार मूल्य के अनुरूप प्रत्येक दो माह में घटती-बढ़ती रहती है.

बीजेपी ने आग में पेट्रोल डालने का किया काम

रायपुर,12अप्रैल2023(ए)। बेमेतरा के बिरनपुर में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद अब सरकार एक्शन मोड़ पर है । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने

इस घटना को लेकर बीजेपी को आड़े हाथों लिया है। मुख्यमंत्री ने सीधे तौर पर बीजेपी पर आरोप लगाया है कि भाजपा ने इस पूरे घटना की आग में पेट्रोल डालने का काम किया है।

बिरनपुर हिंसा के मामले में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजेपी पर अशांति फैलाने का आरोप लगाया है। सीएम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास कोई मुद्दा नहीं है। जो घटना घटी वह दुर्भाग्यजनक है। दो बच्चों के झगड़े में पता नहीं किस तरह से वहां कन्फ्यूजन हुआ की लोग वहां उत्तेजित हो गए और एक नौजवान व्यक्ति की मृत्यु हो गई।

बीजेपी ने न शांति की अपील की न जांच की मांग रखी

मुख्यमंत्री ने हैलीपेड पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा की हमेशा से मास्टरी सांप्रदायिकता और धर्मांतरण की रही है। भाजपा आग में हमेशा पेट्रोल डालने का करती है। उन्हें जैसे ही बेमेतरा में मौका मिला, वहां उन्होंने आग लगाने की कोशिश की। उन्होंने शांति की अपील नही की, उन्होंने जांच की मांग नहीं रखी, पीड़ित परिवार के पक्ष में आवाज नहीं उठायी, बल्कि आग में पेट्रोल डालने का काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना के बाद पुलिस वहां पहुंच गई थी। उन पर भी पथराव हुआ। उनको भी चोटें आई। प्रशासन की ओर से शांति स्थापित करने की पूरी कोशिश की गयी, लेकिन पूरे प्रदेश से बीजेपी के लोगों ने वहां पहुंचकर अशांति फैलाने का काम किया है।

सीएम ने आगजनी को लेकर कहा कि ये जांच का विषय है। वहां आईजी भी मौजूद थे, वे भी बाल बाल बचे। शांतिप्रिय छत्तीसगढ़ पहले नक्सलियों के कारण जल रहा था। अब शांति की तरफ लौट रहा है। समाज में शांति और भाईचारा है। सभी धर्म सभी विचार के लोग एक दूसरे का सम्मान करते हुए रह रहे हैं। मगर नफरत फैलाने की जो कोशिश की जा रही है, वह बहुत दुर्भाग्यजनक है। यह समाज और छत्तीसगढ़ के लिए बिल्कुल उचित नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टरों से कही ये बड़ी बात

रायपुर,12अप्रैल2023(ए)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टीएस सिंहदेव ने बुधवार को वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ विभागीय कामकाज की समीक्षा की। रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय समीक्षा बैठक का आज दूसरा दिन था। बैठक में चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में मैदानी स्तर पर आ रही समस्याओं और उनके निदान पर चर्चा की गई।

बैठक में चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को मिले बजट के खर्च से संबंधित वित्तीय एवं आरओपी के दिशा-निर्देशों के बारे में मैदानी अधिकारियों को जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रसन्ना आर., स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक भीम सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदीपन, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक चंद्रकांत वर्मा और महामारी नियंत्रण के संचालक डॉ. सुभाष मिश्रा भी बैठक में मौजूद थे। सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं के अधिकारी भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने बैठक में कहा कि स्वास्थ्य का क्षेत्र सबसे चुनौतीपूर्ण कार्यक्षेत्रों में से एक है। जीवन और मृत्यु से जुड़ा होने के कारण यह काफी संवेदनशील विभाग है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं डॉक्टरों से मरीजों और उनके परिजनों के साथ संवेदनशील होते हुए अच्छा बर्ताव रखने को कहा। चिकित्सा सेवा की संतुष्टि और मरीजों का भरोसा जीतने के लिए भी यह जरूरी है। सिंहदेव ने बीते वित्तीय वर्ष में स्वास्थ्य विभाग के अच्छे कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की पीठ थपथपाते हुए बधाई दी।

सिंहदेव ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ में मातृत्व मृत्यु दर में 22 अंकों की गिरावट आई है। विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिए जाने के कारण वर्ष 2016 से 2018 के बीच 159 एमएमआर वाले छत्तीसगढ़ का एमएमआर अब घटकर 137 पर पहुंच गया है। प्रदेश में मातृत्व मृत्यु दर का अब तक का यह सबसे न्यूनतम आंकड़ा है। उन्होंने बड़ा लक्ष्य निर्धारित कर इस आंकड़े को और तेजी से घटाने के लिए काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि राज्य में टीकाकरण का कवरेज 81 प्रतिशत से बढ़कर 95 प्रतिशत हो गया है।

जल्द ही आएगा 10 वीं-12वीं सीजी बोर्ड का रिजल्ट

रायपुर,12अप्रैल2023(ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल मई के तीसरे सप्ताह में 10वी, 12वीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट जारी होगा। माशिम के दिए संकेत के अनुसार 10वीं और 12वीं कक्षा के परिणाम 15 मई से 20 मई के बीच घोषित कर दिए जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव व्ही.के गोयल ने बताया कि बोर्ड की अंतिम परीक्षा 31 मार्च को हुई थी। 6 लाख 66 हजार से ज्यादा छात्र परीक्षा में शामिल हुए। अलग अलग केंद्रों में 36 लाख से ज्यादा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन जारी है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव व्ही.के गोयल ने बताया कि प्रथम दौर का मूल्यांकन हो चुका है द्वितीय फेज़ का मूल्यांकन जारी है। मूल्यांकन कार्य में 25 हजार से ज्यादा शिक्षक इस कार्य में लगे हुए हैं। छात्र परीक्षा परिणाम जारी करने के 15 दिन बाद पुनर्मूल्यांकन पुनगणना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

सौहार्द्र बिगाड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

» बेमेतरा हिंसा के बाद पुलिस का अर्लट

बेमेतरा ,12अप्रैल2023(ए)। बेमेतरा में बिगड़े माहौल के बाद पुलिस भी सक्रिय हो गई है। बिरनपुर गांव में 22 वर्षीय युवक की हत्या के बाद तनाव फैल गया था। जिसके चलते बड़ी संख्या में पुलिस बल गांव में मौजूद है। बावजूद इसके आज फिर से दो लाशें मिली है।

तीन मौतों के बाद अब सोशल मीडिया पर रहेगी नजर

बकरी चराने निकले 35 वर्षीय रहीम मोहम्मद व 55 वर्षीय इदुल मोहम्मद की आज लाश मिली। बताया जा रहा है कि दोनों बाप बेटे थे। तीन मौतों के बाद अब सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वालों व विवादित पोस्ट कर हिंसा भड़काने वालो पर पुलिस ने शिकंजा कसा है।

बेमेतरा में हुई हिंसा व सांप्रदायिक तनाव के बीच अन्य जिलों की पुलिस भी एलर्ट मोड़ पर है। जीपीएम की पुलिस ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले मैसेज व जिस ग्रूप में यह भेजा जा रहा है उसके एडमिन पर भी सख्त कार्यवाही की जाएगी। जीपीएम जिले के सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल के द्वारा इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की गई है।जिसमे स्पष्ट चेतावनी जारी की गई है कि सभी सोशल साइट्स के एडमिनो को यह ध्यान रखना होगा कि उनके ग्रुप के कोई भी सदस्य ग्रुप में गलत खबर, विवादित पोस्ट,विवादित बातें, सांप्रदायिक सौहार्द खराब करने, दो पक्षों में विवाद बढ़ाने, या किसी जातियों के मध्य वैमन्यस्ता फैलाने संबंधी कोई भी मैसेज, पोस्ट,चित्रण या वीडियो फैलाता है या प्रसारित करता है तो उस पर कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले मैसेज भेजने वालों के साथ-साथ ऐसे ग्रूपों के एडमिन पर भी कार्यवाही की जाएगी।

साथ ही ग्रुप एडमिनों के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए हैं कि ग्रूप के सदस्य को ग्रुप एडमिन उक्त बातों को प्रसारित करने के लिए मना करें। ना माने तो उसे तत्काल ग्रुप से हटा दें। अगर ग्रूप एडमिन द्वारा उक्त जिम्मेदारी नहीं निभाई जाती है तो ग्रुप एडमिन की भी उस पोस्ट के संबंध में जिम्मेदारी तय की जाएगी व उन पर भी विवादित पोस्ट को प्रसारित करने के संबंध में कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी ने प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों के लिए प्रभारी और सहप्रभारियों की सूची जारी

कटघोरा को जिला बनाने के लिए अपने साथियों के साथ पैदल यात्रा करने वाले संघर्षशील उत्तम सिंह रंधावा को रायगढ़ विधानसभा के लिए सह प्रभार सौंपा

रायपुर,12अप्रैल2023(ए)। बीजेपी ने प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों के लिए प्रभारी और सहप्रभारियों की नियुक्ति की है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और प्रदेश प्रभारी भाजयुमो विजय शर्मा की सहमती से भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने नव मतदाता अभिनंदन तथा आगामी आंदोलनों एवं कार्यक्रमों के लिए विधानसभा प्रभारी व सहप्रभारियों की नियुक्ति की है. इसी कड़ी मे कटघोरा के कद्दावर भाजपा नेता उत्तम सिंह रंधावा को रायगढ़ विधानसभा के लिए सह प्रभारी नियुक्त किया गया है. जिससे जिले के भाजपा नेताओं में हर्ष व्याप्त है। वही कटघोरा को जिला बनाने के लिए अपने साथियों के साथ 230 तक पैदल यात्रा करने वाले संघर्षशील उत्तम सिंह रंधावा का अहम भूमिका रही है.

गाजे-बाजे के साथ विदाई समारोह करने वाले टीआई को जॉइन करते ही आईजी ने किया सस्पेंड

» गृह मंत्री की अनुशंसा पर निकला था सिंगल ऑर्डर

बिलासपुर,12अप्रैल2023(ए)। वर्दी पहनकर फिल्मी स्टाइल में विदाई समारोह में रोड-शो कराने वाले टीआई सुरेन्द्र स्वर्णकार को आखिरकार सस्पेंड कर दिया गया है. डोंगरगढ़ से जैसे वे बिलासपुर पहुंचे, आईजी बद्रीनारायण मीणा ने उन्हें सस्पेंड करते हुए लाइन अटैच कर दिया है.

दरअसल, राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ से बिलासपुर ट्रांसफर होने पर थानेदार सुरेंद्र स्वर्णकार को ढोल-नगाडे के साथ बारातियों की तरह विदाई दी गई थी, जिसमें वे फूलों से सजी अपनी लक्जरी कार का सनरूफ खोलकर हाथ जोड़ते नजर आए रहे थे. विदाई समारोह का यह वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ. इसके बाद निरीक्षक सुरेंद्र स्वर्णकार पूरे प्रदेश में चर्चा में आ गए हैं. उनके इस कार्यप्रणाली को पुलिस अफसरों ने अनुशासनहीनता माना है. यही वजह है कि, बिलासपुर में जॉइन करते ही उन्हें निलंबित कर दिया गया है. इस कार्रवाई से विभाग में भी खलबली मच गई है।

जिस एसडीएम से परेशान है आम नागरिक उसे ही दे दिया सहायक आयुक्त का प्रभार,क्या लोगो को परेशान करने का मिला इनाम?

क्या कार्यालय में ना बैठने की वजह से कर्मचारियों को राह चलते खोज कर करना पड़ता है काम?

- कुछ दिन पहले एक ऐसा ही फोटो वायरल हुआ था जहां 2 कर्मचारी बीच रास्ते में एसडीएम से कुछ काम करा रहे थे
- देखने वाले का तो यही कहना है कि उस गाड़ी में पति पत्नी दोनों थे
- संयुक्त कलेक्टर पर कलेक्टर कोरिया ने बरसाई कृपा,तात्कालिक सहायक आयुक्त तिग्गा से छिना सारा प्रभार
- प्रशासनिक अस्थिरता से सरकार की छवि हो रही धूमिल

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में बदहाल प्रशासनिक व्यवस्था का एक और उदाहरण सामने देखने को मिल रहा है,जनता परेशान है अधिकारी अपने में अस्त-व्यस्त हैं, सबसे बुरी स्थिति राजस्व विभाग की है,जहां पदस्थ अधिकारी से जनता त्रस्त है तो उस अधिकारी पर ही अब कलेक्टर कोरिया ने कृपा बरसाई है, अधिकारी को बैकुंठपुर एसडीएम के साथ-साथ सहायक आयुक्त कोरिया का प्रभार दिया गया हैं। अपने पहले के प्रभार में ही काम कर पाने में असफल दिख रहीं उक्त अधिकारी से कलेक्टर अब एक प्रमुख विभाग का काम कैसे संचालित करा पाएंगे यह देखने वाली बात होगी।

बैकुंठपुर एसडीएम को मिला सहायक आयुक्त का प्रभार

इस बारे में बतलाया जाता है कि कोरिया जिले में पदस्थ सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग डीडी तिग्गा के द्वारा ठीक ढंग से कार्य नही किया जा रहा था, कलेक्टोरेट मेंहोने वाली बैठको से वे हमेशा नदारद रहते थे, कार्यालय में भी वे काफी काम बैठ रहे थे, इस कारण कलेक्टर कोरिया विनय कुमार लंगेह उनसे नाराज थे। जिसके बाद कुछ दिनों पहले कलेक्टर ने बैकुंठपुर एसडीएम अंकिता सोम को सहायक आयुक्त का प्रभार दे दिया है। श्री तिग्गा से सारे प्रभार छिन लिए गये हैं।

आखिर कैसे विभाग संभालेगी एसडीएम अंकिता सोम?

कलेक्टर कोरिया ने भले ही एसडीएम अंकिता सोम को सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग का कार्यभार सौंप दिया है लेकिन सवालिया निशान है कि जो एसडीएम अपने प्रभार के काम को ठीक ढंग से न कर पा रही हो वह अब दूसरे विभाग का काम कैसे कर पांएगी? एसडीएम अंकिता सोम के पास इसके पहले बैकुंठपुर एसडीएम के साथ ही कलेक्टोरेट के विभिन्न शाखाओ का भी प्रभार था, इस दौरान काफी अव्यवस्था देखने को मिल रही थी। जबसे एसडीएम का प्रभार उन्हे दिया गया था तबसे एसडीएम कार्यालय की व्यवस्था भी चरमराई हुई है, आज कोई भी भू स्वामी अपना काम एक बार में नही करा पा रहा है, विपक्ष का भी आरोप है कि बैकुंठपुर एसडीएम कार्यालय में बिना सेवा शुल्क के कोई काम नही होता और तो और एसडीएम अंकिता सोम का कार्यालय से नदारद रहना भी आम बात हो गया है। पूर्व में राजस्व का काम करने वाले अधिवक्ताओं ने भी उनके कार्य व्यवहार को लेकर कलेक्टरसे शिकायत किया था, किसी भी प्रकरण को जबरन रोकना, फाईलो में हस्ताक्षर न करना सामान्य सी बात है। जिले में कई पक्षकार ऐसे हैं जो कि महीनों से एसडीएम कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं लेकिन मैडम की मनमानी से सभी परेषान हैं। पक्षकार तो कहते हैं कि विभाग में सेवा शुल्क देने के बाद भी महीनो चक्कर लगाना पड़ रहा है,डायवर्सन से लेकर अन्य किसी भी प्रकरण के लिए पक्षकार भारी परेषान हैं लेकिन एसडीएम की मनमानी कम होने का नाम नही ले रही है। एसडीएम कार्यालय में व्याप्त अव्यवस्था देखकर यह कहा जा सकता है कि अब सहायक आयुक्त कार्यालय का भी वही हाल होगा।

हर काम को टालने में माहिर हैं एसडीएम

जानकार बतलाते हैं कि एसडीएम अंकिता सोम हर काम को टालने,लटकाने में माहिर हैं कोई भी काम एक बार में या समय पर हो जाए यह नही हो सकता। अब उन्हे सहायक आयुक्त का प्रभार देने के बाद हलांकि कलेक्टोरेट के विभिन्न शाखाओं के ओआईसी का प्रभार वापिस लेकर डिप्टी कलेक्टर विनय कष्यप को प्रभार दे दिया गया है लेकिन जब तक श्रीमती सोम के पास ओआईसी का प्रभार था तब तक उन शाखाओं के कर्मचारियों को एक फाईल ओके कराने में काफी पापड़ बेलना पड़ता था एक तो वे कलेक्टोरेट में बैठती नही थी जब कर्मचारी काम कराने एसडीएम कार्यालय जाते तो वहां भी वे नदारद रहती थी,जिससे कोई भी काम समय पर नही होता था। अब सहायक आयुक्त का प्रभार भी उन्हे दे दिया गया है ऐसे में इस विभाग का काम कैसे होगा यह बड़ा सवाल है। बतलाया जाता है कि आदिवासी विकास विभाग में भी काम का काफी बोझ है,विभिन्न निर्माण कार्यो से लेकर छात्रावासो के संचालन का जिम्मा इसी विभाग के पास है लेकिन मुख्यालय एसडीएम का काम देख रहीं श्रीमती सोम को ही उक्त विभाग का प्रभार दिये जाने से विभागीय कामकाज पर भी असर पड़ेगा।

कार्यालय में नहीं बैठती इसलिए राह चलते काम करते दिखीं एसडीएम,फोटो वायरल

एसडीएम अंकिता सोम के बारे में यह बात आम है कि वह ज्यादातर समय कार्यालय से गायब रहती हैं, कुछ दिनों पहले मुख्यालय के एसईसीएल चैक में ही एसडीएम को अपने वाहन के अंदर से ही दो पटवारियों का काम करते देखा गया था,उन्हे रोड में काम करता देख एक खबरनवीस ने उक्त तस्वीर अपने कैमरे में कैद कर लिया। एसडीएम को इस प्रकार राह चलते काम करता देख लोग यही बोल रहे हैं कि कार्यालय में न बैठकर वे इस तरह ही अपने मातहतों का काम निपटा रही हैं,लेकिन आम जन को काम के लिए चक्कर लगाना पड़ रहा है।

पति-पत्नी अधिकारी का जिले में जलवा कायम

अंकिता सोम के पास मुख्यालय एसडीएम का प्रभार है और उनके पति समीर शर्मा के पास पटना नायब तहसीलदार का प्रभार। पूर्व में पटना के तहसीलदार को दूसरे जगह भेजकर एसडीएम ने अपने पति को प्रभार दिलवा दिया। इससे राजस्व प्रकरण के निपटाने में काफी दिक्कते हो रहीं हैं लेकिन किसी भी जिम्मेदार को कोई मतलब नही। पिछले दिनो ही राजस्व प्रकरणो के निपटारे में लापरवाही के मामले में श्री शर्मा को नोटिस भी जारी किया गया था लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वह सिर्फ कागजी दिखावा ही था। पति पत्नी एक ही अनुविभाग में अधिकारी हैं और मनमुताबिक काम कर रहे हैं,ऐसा लग रहा है जैसे इन दोनो का इस जिले में जलवा कायम है और वे जो चाहे वो काम कर सकते हैं।

कोरिया जिला कृषि विभाग का कारनामा नियम विरुद्ध व्यापारियों,अधिकारियों व कर्मचारियों को बांट डाले साढ़े 5 करोड़

- खुलासा आरटीआई कार्यकर्ता ए एन शुक्ला ने किया,मामले की शिकायत सिटी कोतवाली बैकुण्ठपुर समेत कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को भी की है

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के कृषि विभाग के उपसंचालकों ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों/ कर्मचारियों सहित व्यापारियों को भी शासकीय राशि साढ़े पाँच करोड़ से अधिक की शासकीय राशि एडवांस दे डाली। जिसका खुलासा आरटीआई कार्यकर्ता ए एन शुक्ला ने किया, उन्होंने मामले में सिटी कोतवाली बैकुण्ठपुर समेत कलेक्टर,पुलिस अधीक्षक को भी की है।

दरअसल, आरटीआई से निकाली जानकारी में यह बात सामने आई है कि कृषि विभाग ने वर्ष 2013 14 से अभी तक 4 उप संचालकों ने 5 करोड़ 65 लाख रुपए एडवांस जारी किए, चेक से भुगतान किया, कई लोगो के नाम मे परिवर्तन किया, कई अलग अलग फर्म के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों को एडवांस राशि जारी की, आरटीआई कार्यकर्ता ए एन शुक्ला बताते हैं कि यह भ्रष्टाचार एक अनोखे अंदाज में किया गया है। कृषि विभाग कोरिया में सर्वथा विधि विरुद्ध तरीके से लोकहितार्थ की शासकीय राशि का योजनाबद्ध साजिश के तहत आपस में बतौर एडवांस लेन-देन करना बताकर बंदरबांट कर लिया है। उन्होंने सर्वप्रथम कृषि विभाग के उपसंचालक कृषि के साथ कोतवाली थाना बैकुण्ठपुर, पुलिस अधीक्षक कोरिया, जिला कलेक्टर बैकुण्ठपुर सहित संयुक्त संचालक कृषि एवं संभागीय आयुक्त अम्बिकापुर के साथ-साथ मुख्यमंत्री शासन, प्रमुख सचिव, संचालक कृषि विभाग को दस्तावेजी प्रमाण सहित शिकायत प्रस्तुत कर शासकीय राशि की अफरा-तफरी करने वालों से लूटी गई राशि की वसूली एवं विधि सम्मत कार्यावही की मांग की है। उन्होंने अपने आवेदन में बकायदे सम्बंधितों के नाम एवं बंदरबांट की गई राशि का भी उल्लेख किया है जिसमें वर्ष 2013-14 में उप संचालक एचएस राजपूत, उप संचालक एमजी श्याम कुंवर, उप संचालक डी के रामटेके औंर उप संचालक पी एस दीवान सहित 17 लोगो को आरोपी बनाया है। उन्होंने बताया कि जारी किए चेक में पृथक-पृथक व्यक्ति न होकर एक ही व्यक्ति है, जो शासन-प्रशासन को गुमराह एवं आँख में धूल झोंकने के इरादे से इस तरह से नाम पता के उल्लेख जान बूझकर साजिश के तहत किया है।

क्या सरकारो के नुमाइन्दे की मेहरबानी से अबैध कारोबार के कारोबारी मस्त?

- शासन व प्रशासन लाख दावे करे पर जमीनी हकीकत तो यह है की अवैध कारोबार में संलिप्त कारोबारियों को यही शासन व प्रशासन रास आ रहा

- रवि सिंह -
एमसीबी,मनेन्द्रगढ़ 12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

नवीन एमसीबी जिला के सिटी कोतवाली मनेन्द्रगढ़, चिरीमिरी व झगराखाण्ड थाना अंतर्गत खोगापानी मे अवैध कारोबार व माफिया कारोबारियो पर पुलिस का शिकंजा के कुछ कमजोर होने से अवैध कारोबारियो के होसले बुलन्दियो पर भी है कारण पुलिस के द्वारा सटोरियों व सीमा प्रान्त से आने वाली अवैध शराब व अवैध कबाड़ सहित बाबनपरी के शोकिन पर कार्यवाही नही की जा रही जिस कारण इन दिनों सट्टे के साथ अवैध कारोबार का संचालन जोरो पर है। सूत्रों की माने तो स्थानीय लोगों की मदद से सट्टे का कारोबार चल रहा है। मनेन्द्रगढ़ व नगर पंचायत खोगापानी में लंबे समय से यह कारोबार का संचालन हो रहा है लेकिन यहां तक वर्दी धारियों की पहुंच नहीं हो पा रही है और यही कारण है कि स्थानीय लोगों की मदद से सट्टा का कारोबार तेजी से फल फूल रहा है।

युवाओं की जिंदगी हो रही तबाह

सट्टा जैसे संगीन अपराध को स्थानीय लोगों द्वारा भरे समाज में खिलवाया जा रहे है। इससे युवा वर्ग के लोगों पर ज्यादा असर दिखाई पड़ रहा है। जहां युवा वर्ग के लोग सट्टा जैसे संगीन अपराध में संलिप्त हो रहे हैं, लेकिन इस अपराध को रोकने में पुलिस नाकाम साबित हो रही है। मनेन्द्रगढ़ , झगड़ाखांड व खोंगापानी के हर गली मोहल्ले और बाजार में खुलेआम सट्टे का कारोबार चल निकला है। कभी कभार पुलिस दो-चार छोटे एजेंटों को पकड; कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेती है। जबकि हकीकत यह है कि सटोरियों के कारनामों को जानने के बाद भी पुलिस अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं, यही वजह है कि यह कारोबार फल फूल रहा है। मनेंद्रगढ़,झगड़ाखांड व खोगापानी को सट्टे ने अपनी चपेट में ले लिया है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोग अब खुलेआम सट्टा खेल रहे हैं और उनमें पुलिस का भी कोई डर नहीं नजर आता। वहीं पुलिस भी इस पूरे मामले पर अपनी आंखें मूंदे हुए हैं। जिस कारण तंग गलियों में काफी लोग सट्टे के धंधे में लगे हुए हैं। वहीं हालात देखकर लगता है कि इस पूरे मामले में कहीं ना कहीं पुलिस की भी मिलीभगत है। क्योंकि जिस तरह लोग खुलेआम सट्टा लगा रहे हैं, माना जा रहा है कि मनेन्द्रगढ़,झगड़ाखांड व खोगापानी में रोजना लाखों रुपए का सट्टा खेला जा रहा है। धड;ल्ले से चल रहे इस कारोबार को इलाके के सफेद पोश और थाने का खुला संरक्षण प्राप्त है, सूत्रों की माने तो कोयलांचल नगरी (खोगापानी)में ही प्रतिदिन लाखों का कारोबार होता है।

गिरोह के हौसले बुलंद

जानकार सुत्रो की मानें तो सट्टा व्यापार के लालच में फंसकर कई लोग अपनी किस्मत आजमाते है। बाद में इसमें फंसकर अपना सब कुछ भी गवां बैठते है। पुलिस इस अवैध कारोबार में लिप्त लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं करती है, कार्यवाही न होने की वजह से इस गोरखधंधे पर पूरी तरह अंकुश नही लग पा रहा है और अवैध कारोबार में लिप्त गिरोह के लोगो के हौंसले बुलंद हैं। जिस कारण यह कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक लोग फोन पर अपना नंबर बताते लिखवाते हैं और नंबर आने पर इन्हीं सट्टा खाईवाल एजेंटों के माध्यम से पैसे का लेन-देन किया जाता है।

सट्टा माफिया व अवैध कारोबारियो हो रहे मालामाल

जानकारी हो सट्टा का यह खेल जीरो से लेकर नौ नंबर तक चलता है और नेट पर एक ही नंबर आता है, जिससे नौ नंबरों का रुपये उन्हें सीधा-सीधा बच जाता है, जिससे खिलाड़ी का वह नंबर फंसता है वह इसमें खुश हो जाता है कि उसे दस के 80 मिल गये, लेकिन अन्य बाकी खिलाडियों के रुपये जिनके नंबर नहीं फंसते उनका सीधा रुपये सट्टा माफियाओं की जेब में जाता है। अब यह कारोबार कोढ की तरह फैल चुका है। ऐसा नहीं है कि शासन व प्रशासन के लोग अवैध कारोबार करने वालो से अनभिग्य है! हास्याप्रद इस बात शासन व प्रशासन जो तीन लोक की जानकारी पलभर मे पता लगा सकने वाला विभाग भला इस अवैध कारोबार पर अंकुश नहीं लगा सकती। कुछ पुलिस अधिकारी ऐसे भी आएं जिन्होंने सट्टे के कारोबार को पूरी तरह बंद करा दिया था। लेकिन शासन व प्रशासन के सुस्त रवैया अवैध कारोबारियो का कारोबार फिर से फलने फूलने लगा है। सट्टा का यह कारोबार शासन व प्रशासन की नाक के नीचे ही फल-फूल रहा है। अब देखना यह है कि इस कारोबार पर फिर पूर्णतः अंकुश लग पाता है या नहीं। या फिर छोटे एजेंटों को पकडकर बड़े खाईवालों को बचाने का प्रयास किया जाता है। इन दिनों सोसल मीडिया में सट्टे को लेकर तरह तरह की बात की जा रही है।

फुल्की खाने आई युवती के साथ हुआ दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

- युवती के साथ हुए दुष्कर्म मामले में आरोपी के पकड़े जाने के बाद मीडिया व पुलिस की चुप्पी समझ के परे
- परिजनों ने लगाया पुलिस पर सही तरीके से साक्ष्य ना जुटाने का आरोप
- रायगढ़ से आरोपी को पकड़ने के बाद भी पुलिस ने नहीं जारी की प्रेस विज्ञप्ति

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

शहर के बीचो-बीच बैकुंठपुर में फुल्की खाने आई एक युवती के साथ उसे दुकान के अंदर बुला कर एक व्यवसायी के द्वारा दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है, यह घटना 1 अप्रैल की बताई जा रही है जिसमें आरोपी की गिरफ्तारी रायगढ़ से की गई है पुलिस अभी तक कुछ भी खुलासा नहीं कर पाई है, पुलिस कुछ भी बताने से बच रही है पर मामला काफी गंभीर भी है यदि शहर के बीचों बीच एक ऐसी घटना हो रही है तो इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहर कितना सुरक्षित है?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल को भाजपा कार्यालय के समीप एक युवती फुल्की खाने आई थी फुलकी वाला वहां पर नहीं था जिस वजह से वह एक दुकान के सामने खड़ी थी जहां दुकान संचालकों ने उन्हें बैठने के लिए अंदर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया, दुष्कर्म के दौरान युवती की तबीयत खराब हो गई और कुछ दिनों तक अस्पताल में भर्ती कराया गया, पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रायगढ़ से आरोपी को पकड़ कर जेल भेज दिया, पर वहीं पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि पुलिस दुकान के पास का सीसीटीवी का डीवीआर जप्त नहीं कर रही है और यह कह रही है कि डीवीआर खराब है जबकि जिस प्रतिष्ठान में घटना को

अंजाम दिया गया उस प्रतिष्ठान का संचालक खुद ही सीसीटीवी बेचने का कार्य करता है वैसे भी सवाल यह उठता है कि जो खुद सीसीटीवी कैमरा बिक्री का कार्य करता है उसी के यहां का सीसीटीवी कैसे खराब है वैसे पुलिस कुछ फुटेज इकट्ठा की है अब यह देखना है की पुलिस को इस मामले में कितने ठोस सबूत मिलते है? वैसे कुल मिलाकर सवाल शहर की सुरक्षा की भी है और महिला सुरक्षा का भी है यदि इसी तरह की स्थिति है की कोई दुकानदार किसी युवती को बाहर खड़े होने की स्थिति में दुकान के अंदर बुलाकर दुष्कर्म करता है तो स्थिति गंभीर है।

दुष्कर्म मामले का आरोपी गया जेल पर किसी मीडिया में नहीं आई खबर

दुष्कर्म का आरोपी युवती की शिकायत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया गया है। जिस व्यवसायी ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया उसे रायगढ़ से गिरफ्तार किया गया ऐसा बताया जा रहा है जबकि वह बैकुंठपुर का ही निवासी है।दुष्कर्म के बाद से ही वह रायगढ़ में था ऐसा बताया जा रहा है और युवती की शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई और उसे गिरफ्तार कर जेल भेजने में सफलता प्राप्त की।

पीड़ित के मेडिकल रिपोर्ट में भी दुष्कर्म होने की पुष्टि

सूत्रों के हवाले से मिली खबर के अनुसार पीड़िता के मेडिकल में भी दुष्कर्म होने की पुष्टि की बात कही जा रही हैं इस मामले में पुलिस कुछ भी बताने से बच रही है ऐसा क्यों कर रही है यह तो पुलिस ही जाने लेकिन पूरे मामले में पुलिस कुछ भी कहने से बच रही है। बता दें की मामला महिला सुरक्षा से जुड़ा हुआ है और शहर के बीचों बीच यह घटना घटी है और ऐसे में पुलिस को भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इस बात का ध्यान रखते हुए मामले में अच्छी तरह विवेचना करनी चाहिए और घटना को अंजाम देने वाले दुकानदार को कड़ी सजा हो इस बाबत प्रयास करना चाहिए।

दुष्कर्म के आरोपी दुकानदार को मेडिकल आधार पर जेल से बाहर निकालने का हो रहा प्रयास

सूत्रों की माने तो जिस दुकानदार पर दुष्कर्म का आरोप लगा है उसे जेल से बाहर निकालने का प्रयास परिजनों द्वारा किया जा रहा है। दुकानदार को जेल से बाहर निकालने के लिए फर्जी मेडिकल का सहारा लिया जा सकता है ऐसा सूत्रों का कहना है। इस मामले में यदि फर्जी मेडिकल के आधार पर दुकानदार को जेल से बाहर निकाला जाता है और उसे इलाज के नाम पर बाहर रहने की सुविधा दी जाती है तो यह पीड़ित युवती के साथ बड़ा अन्याय होगा और जो न्यायसंगत भी नहीं होगा।

CMYK

भाजयुमो जिलाध्यक्ष को बदलकर कोरिया भाजपा खुद के अनुशासनात्मक पार्टी होने का परिचय दे सकती थी,पर क्यों ऐसा करना उचित नहीं समझा ?

- भाजपा जिलाध्यक्ष के समर्थकों ने भी टाइगर बैंक कहकर उन्हें आलोचनाओं में ढकेल दिया
- भाजपा भाजयुमो जिलाध्यक्ष मामले में हो रही फजीहत से भी बच सकती थी
- पद त्याग कर भाजपा जिलाध्यक्ष बन सकते थे हीरो पर विलेन बनना ही जरूरी समझा
- कोरिया भाजपा के शीर्ष नेता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अंचल राजवाड़े को विश्वास में लेकर बदल सकते थे,नहीं होती फजीहत

» भाजपा जिलाध्यक्ष के समर्थकों ने भी टाइगर बैंक कहकर उन्हें आलोचनाओं में ढकेल दिया

» भाजपा भाजयुमो जिलाध्यक्ष मामले में हो रही फजीहत से भी बच सकती थी

» पद त्याग कर भाजपा जिलाध्यक्ष बन सकते थे हीरो पर विलेन बनना ही जरूरी समझा

» कोरिया भाजपा के शीर्ष नेता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अंचल राजवाड़े को विश्वास में लेकर बदल सकते थे,नहीं होती फजीहत

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा अनुशासित पार्टी मानी जाती है पर कोरिया जिले में भाजपा कहीं न कहीं अनुशासन से भटक चुकी है इस समय अनुशासन नहीं सिर्फ गुटबाजी दिख रही है जहां भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष पर अपराध पंजीबद्ध होने के बाद उन्हें पद से पृथक कर नए को मौका देना था लेकिन नए को मौका देने की बजाय बड़ा लंबा इंतजार किया जमानत मिलने का और जमानत मिलने के बाद टाइगर इज बैक टाइगर आ गया ऐसा पूरा सोशल मीडिया पर छा गया, ऐसा होने से कहीं न कहीं भारतीय जनता पार्टी की ही फजीहत हो गई, अब सवाल यह है कि आखिर टाइगर कहां से आ गया कहां गया था? किसका शिकार करने गया था या फिर खुद शिकार ना हो जाए इसलिए अंडर ग्राउंड हो गया था? यह तमाम तरीके के सवाल है जो भाजपा के लिए फजीहत बनी हुई है जहां भाजपा अपना कद बड़ा करने और एक अनुशासित पार्टी होने का परिचय दे सकती थी, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष को हटाकर दूसरे को जिला युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया जा सकता था पर ऐसा करने के बजाय भाजपा ने पुराने वाले का ही इंतजार करना उचित समझा जो वर्तमान समय में अनुचित दिखने लगा है और इंतजार के बाद मिला क्या सिर्फ फजीहत? कोरिया की भाजपा अनुशासित तो तब होती जब युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष की मर्जी से उनके अनुसार जिला का नेतृत्व करने वाले को नेतृत्व का जिम्मा दिया जाता। यदि हटाकर नया अध्यक्ष चुना गया होता तो आने वाले युवाओं के लिए भी एक अच्छा संदेश होता कि गलत करने पर पार्टी कार्यवाही करती है जिस भय में वह कोई भी अनुचित कार्य नहीं करते और कुछ भी करते वह पार्टी के दायरे में रहकर करते पार्टी की मर्यादा के साथ करते हैं। पर भाजपा तो कुछ अलग ही मूड में कार्य कर रही थी और आज उस कार्य के विपरीत उन्हें फल मिला है कहीं ऐसा ना हो कि आगामी चुनाव में भी इनके लिए कांटें भरे हो जाए।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष को उनकी सहमति से हटाकर किसी अन्य को देते मौका,कोरिया भाजपा का दिखता अनुशासन

भाजयुमो जिलाध्यक्ष को उनकी ही सहमति से भाजपा कोरिया यदि हटाकर किसी अन्य को मौका देती तो भाजपा का अनुशासन नजर आता और यह परिलीक्षित होता की कोरिया भाजपा भी प्रधानमंत्री के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में साथ है और वह भ्रष्टाचार का आरोप पूरी तरह समाप्त होने तक भाजयुमो जिलाध्यक्ष को पद से पृथक ही रखने वाली है जिससे पार्टी की छवि पर अच्छा असर जाता लेकिन भाजपा कोरिया ने ऐसा नहीं किया और भ्रष्टाचार के आरोपी जिलाध्यक्ष भाजयुमो को पद पर बने रहने दिया यहां तक की उनकी फरारी में भी उन्हे पद से नहीं हटाया और वापसी होते ही उन्हे पद पर बने रहने का अधिकार प्रदान कर दिया।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने भी जिलाध्यक्ष भाजयुमो की खूब फजीहत कराई

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने भी भाजयुमो जिलाध्यक्ष की खूब फजीहत कराई और टाइगर इस बैक कहकर सोशल मीडिया पर जितने भी पोस्ट डाले सभी पर जमकर कटाक्ष हुए और पोस्टों को लेकर लोगों की जो प्रतिक्रिया आई वह जिलाध्यक्ष भाजयुमो के लिए कहीं से प्रिय नहीं कहे जा सकते और यह कहा जा सकता है की लोगों ने टाइगर इस बैक में जमकर मजे लिए और इस मामले को मजाक बना दिया।

भाजपा कार्यालय में हुए बैठक सह सफाई आयोजन में भी जिलाध्यक्ष भाजयुमो उपयुक्त सफाई नहीं दे पाएं

भाजपा कार्यालय में भाजयुमो जिलाध्यक्ष को खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप मामले में सफाई देने का भी मौका जिला भाजपा ने दिया। सफाई मामले में भी भाजयुमो जिलाध्यक्ष अपनी सफाई बेहतर ढंग से नहीं दे पाए और कुलमिलाकर वह संगठन की बात कर आरोपों से किनारा करते दिखे और चुनाव की बात कर बात को टालते ही नजर आए जबकि उन्हे खुद पर लगे आरोपों की सफाई बेहतर तरीके से देनी चाहिए थी जो उन्होंने नहीं दी।

भ्रष्टाचार के आरोपों में केवल मिली है जमानत,नहीं हुए हैं आरोपों से बरी जिलाध्यक्ष भाजयुमो

भ्रष्टाचार मामले में लगातार महीनो तक फरार रहे भाजयुमो जिलाध्यक्ष अभी जमानत पर फिलहाल स्वतंत्र हैं और न्यायालय ने उन्हे पूरी तरह आरोप मुक्त नहीं किया है। न्यायालय से जमानत मात्र पर बाहर भाजयुमो जिलाध्यक्ष को भाजपा कोरिया ने भले ही पूरी तरह क्लीन चिट दे दी है लेकिन अभी मामले में न्यायालय में प्रकरण पर पूरा फैसला आना बाकी है।

कुसमुंडा खदान में बिचौलियों और ड्राइवरों के बीच हुई मारपीट

- संवाददाता -
कोरबा,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

जिले के कुसमुंडा खदान में नियोजित कम्पनी नीलकंठ के एक ड्राइवर ओर ट्रक मालिक के बिचौलियों के साथ यह घटना मंगलवार की शाम तकरीबन 09 बजे जब नीलकंठ कम्पनी के ड्राइवर गिरधारी नाईट डयूटी करने आया अपनी गाड़ी में कोयला लोड करके जब कांटा कराने गया , फिर अनलोडिंग करने जा रहा था तब बंसी नामक व्यक्ति द्वारा मनचाहे स्थान पर कोयला गिरधारी द्वारा मना करने पर बंसी नामक व्यक्ति ,जो बिचौली (कोयला ब्रोकर) का कार्य करता है ,वह उसके साथ हाथापाई करने लगा ड्राइवर गिरधारी को टिपर से उतार कर बेरहमी से मारने लगे मारने वालों की संख्या 20 से 25 बताया जा रहा है ड्राइवरो का कहना है कि मुख्य रूप से वह बंसी व अशोक नामक व्यक्ति को पहचानते हैं बंसी और अशोक कहने लगे कि तू नही जानता मैं कौन हूं , किसका आदमी हूं , गिरधारी को सिर और कमर पर गम्भीर चोटें आई , जिसे जिला अस्पताल ले जाया गया जिला अस्पताल द्वारा हालात को नाजुक बताते हुए तत्काल हॉस्पिटल रिफर कर दिया गया है।

तेज़ रफ़्तार मारुति कार ने दो आरक्षको को मारी जोरदार टक्कर हुए घायल

- संवाददाता -
कोरबा,12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कटघोरा थानांतर्गत सलोरा के पास शाम लगभग 07 बजे के आसपास एक तेज़ रफ़्तार मारुति 800 कार ने कटघोरा थाना में पदस्थ दो आरक्षको को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे एक आरक्षक कुमार टण्डन का एक पैर बुरी तरह जख्मी होकर टूट गया तो दूसरे आरक्षक जागेश्वर भैना को गंभीर चोटें आई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना कटघोरा थाना प्रभारी अश्विन राठौर को दी। श्री राठौर द्वारा तत्काल प्रधान आरक्षक संदीप पांडेय व पुलिस की टीम को मौके पर रवाना किया। दुर्घटना कारित कार घटना को अंजाम देने के बाद मौके से भाग चुके थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल 112 के माध्यम से कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मौके से फरार हो चुके कार चालक का पीछा करते हुए प्रधान आरक्षक संदीप पांडेय व उनकी टीम ने छुरी के पास जाकर उनको धरदबोचा। जांच में कार चालक शराब के नशे में पाए गए। और कार चालक छुरी निवासी पाया गया।घटना की सूचना मिलते ही कटघोरा थाने के पूरे पुलिस महकमें में हड़कम्प मच गया और कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। फिलहाल घायल आरक्षक कुमार टण्डन के पैर का प्राथमिक उपचार के बाद कटघोरा थाना प्रभारी अश्विन राठौर ने घायल को बिलासपुर भेजने की बात कही। कटघोरा पुलिस दुर्घटनाकारित मारुति कार को जप्त करते हुए आरोपी गिरफ्तार कर लिया गया है।

छत्तीसगढ़ बन रहा जिहाद गढ़ः शारदा गुप्ता

» युवा मोर्चा भाजपा युवा मोर्चा कोरिया ने फूंका गृहमंत्री का पुतला

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा कोरिया ज़िले के मुख्यालय बैकुंठपुर में गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू का पुतला दहन किया भाजपा ज़िला अध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के विषय में जानकरी देते हुए भाजयुमो कोरिया के ज़िला महामंत्री शारदा गुप्ता ने बताया कि गत दिवस भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव एवं युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी एवं युवा मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता बेमेतरा के स्व भुनेश्वर साहू के गाँव बीरनपुर में उनके परिवारजनों से मिलने जा रहे थे, पर गांव पहुंचने के 3 किलोमीटर पहले ही भाजपा पदाधिकारियों को पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तार कर लिया। जिसके विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश नेतृत्व के द्वारा द्वारा दिनांक 11- 4 -2023 दिन मंगलवार को प्रदेश के सभी जिला केंद्रों में प्रदेश के गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू का पुतला दहन करने का आह्वान किया गया था। इसी तारतम्य में बैकुंठपुर ज़िला मुख्यालय में गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू का पुतला दहन किया गया। भाजपा कार्यालय के पास मुख्य मार्ग में आयोजित इस पुतला दहन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था जिसके कारण पुतला दहन के दौरान कार्यकर्ताओं एवं पुलिस जवानो के बीच जमकर झूमा झटकी हुई, जिसमें युवा मोर्चा के कार्यकर्ता पुतला जलाने में सफल रहे ।युवा मोर्चा ने जमकर सरकार के ख़िलाफ़ नारे लगाए।

जिसमें प्रमुख रूप से भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े, महामंत्री पंकज गुप्ता, कुबेर साहू , अनिल साहू ,धीरेंद्र साहू ,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सतेंद्र राजवाड़े ,हर्शल गुप्ता ,ज़िला मंत्री हितेश सिंह, कुणाल जायसवाल, प्रखर गुप्ता, उमाशंकर मानिकपुरी, मनोज सोनवानी, अखिलेश गुप्ता, आशीष यादव,श्रीराम दुबे,रवि दुबे, मनोज यादव, मनोज साहू, शिव यादव, लक्ष्मा यादव,भारत यादव ,संतोष राजवाड़े, गणेश यादव, रोशन ओझा, राजेश यादव, राजेश साहू, सोनलाल राजवाड़े, लवकेश यादव , पन्ना दास, दिनेश राजवाड़े, अभय दुबे, अभिषेक साहू,टिकेश्वर राजवाड़े,गोरे सिंह , चैन सिंह , राहुल पाल , प्रिंस गुप्ता, अजय कुमार , सत्यदेव यादव , राकेश राजवाड़े, अक्षय राजवाड़े,चंदन राजवाड़े, पुष्पेंद्र राजवाड़े, देवीदयाल, नरेंद्र पैकरा, गजेंद्र सिंह, जयप्रकाश साहू, रवि त्रिपाठी, संजय साहू , विक्की ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

भाजयुमो ने किया मुख्यमंत्री और गृह मंत्री का पुतला दहन

- संवाददाता -
कोरबा12 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी एवं युवा मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता स्व भुनेश्वर साहू के गाँव बिरनपुर परिवार से मिलने जा रहे थे, पर गांव पहुंचने के 3 किलोमीटर पहले ही यह भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय अरुण जी एवं युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत को पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तार कर लिया ।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री रवि भगत के गिरफ्तारी के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला कोरबा द्वारा टी. पी नगर चौक मे प्रदेश के भ्रष्ट मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू का पुतला दहन कर उग्र प्रदर्शन किया गया ।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुतला दहन के दौरान पुलिस के साथ कार्यकर्ताओं की झूमा झटकी भी हुई ।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) जिला-सूरजपुर,छ.ग.

(संयुक्त जिला कार्यालय सूरजपुर भूतल कक्ष क्रमांक-06)

actwsurajpur@gmail.com

निविदा प्रारूप

क्रमांक/निर्माण/आ.वि./न.क्र-303-2023-24/56 सूरजपुर दिनांक 10.04.2023

छत्तीसगढ़ कार्य विभाग नियमावली 1983 आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत सूरजपुर जिले में संचालित विभागीय छात्रावास/आश्रमों/विशिष्ट संस्थाओं में मरम्मत,लघु निर्माण कार्यों के लिए मुहरबंद निविदायें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग के प्रचलित एस.ओ-आर-दर के आधार पर कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास जिला-सूरजपुर (छ0ग0) में स्पीड पोस्ट के माध्यम से निम्नलिखित निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

समय सारणी:-

4. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन देने की अंतिम तिथि -19.04.2023 (अपरान्ह 05.30 बजे तक)
2. कोरे निविदा प्रपत्र लेने की अंतिम तिथि - 21.04..2023 (अपरान्ह 05.30 बजे तक)
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि,/समय - 25.04.2023 (अपरान्ह 05.30 बजे तक)
4. निविदायें खोलने की तिथि - 27.04.2023 (अपरान्ह 1.00 बजे से)
5. कार्य पूर्ण करने की अवधि - सभी कार्य 01 माह ।
6. निविदा प्रपत्र का मूल्य -2.00 लाख तक 300.00 एवं 2.00 से उपर 750.00

क्र0	निविदा कार्य का नाम	कार्य की संख्या	निविदा राशि (लाख में)
1	2	3	4
1	छात्रावास/आश्रमों में अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्य	31	153.27
2	छात्रावास/आश्रमों में रंगाई-पोताई कार्य (गोबर पेंट)	15	37.90

निविदा से स्बंधित अन्य जानकारी कार्यालयीन समय मे कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जी.नं.-00027/1

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल रामानुजगंज

जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

निविदा-सूचना

परिशिष्ठ-3, नियम-4.4.2

वार्षिक/अर्द्धवार्षिक ठेका वर्ष 2023-24 'द्वितीय आमंत्रण' विज्ञप्ति क्रमांक 560, दिनांक 06.04.2023

जिला जेल रामानुजगंज, जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज(छ.ग.) में परिरूद्ध बंदियों हेतु खाद्यान्न, सब्जियां एवं अन्य आवश्यक सामग्रियां क्रय करने के लिए वर्ष 2023-24 हेतु सील बंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारी निविदा प्रपत्र एवं निविदा से संबंधित पूर्ण जानकारी अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर (आयकर प्रमाण पत्र सहित) रूपये- 2000/- नगद भुगतान कर दिनांक 26.04.2023 तक शासकीय अवकाश को छोड़कर किसी भी कार्यालयीन दिवस में प्रातः 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं एवं जेल विभाग की वेबसाइट jail.cg.gov.in पर भी देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि - 26.04.2023 समय दोपहर 01:00 बजे तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 27.04.2023 समय प्रातः11:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि - 27.04.2023 समय अपरान्ह 04:00 बजे स्थान - जिला जेल रामानुजगंज,जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज(छ.ग.)

जी.नं.-00076/3

जेल अधीक्षक
(जिला जेल रामानुजगंज (छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क्र0-202304021200021/अ-20(3)/2022-2023

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधाण को सूचित किया जहा हे कि आवेदक शैलेन्द्र कुमार गर्ग आ0 आनंद प्रकाश गर्ग जाति अग्रवाल निवासी एमजी रोड वार्ड वार्ड क्रमांक-9 अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 09 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 830/12 रकबा 0.04 3/4 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने रखने की अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रदाय करने संबंधी आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र एवं मेन्टनेन्स खसरा एव बिकय पत्र एवं मेन्टनेन्स खसरा एवं बिक्रय पत्र की छायाप्रति पेश किया गया है।
उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/05/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।
आज दिनांक 10/04 /2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क्र0-202304021200020/अ-20(3)/2022-2023

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधाण को सूचित किया जहा हे कि आवेदक शैलेन्द्र कुमार गर्ग आ0 आनंद प्रकाश गर्ग जाति अग्रवाल निवासी एमजी रोड वार्ड क्रमांक-9 अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकाकापुर शीट नम्बर 09 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3467/4866/185 रकबा 2400 वर्गमीटर भूमि को बैंक में बंधक रखने रखने की अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रदाय करने संबंधी आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र एवं मेन्टनेन्स खसरा एव बिकय पत्र एवं मेन्टनेन्स खसरा एवं बिक्रय पत्र की छायाप्रति पेश किया गया है।
उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/05/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।
आज दिनांक10/04 /2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क्र0-202303021200036/अ-20(3)/2022-2023

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती रानी बंसल पत्नी जगमंदर बंसल एवं अन्य-02 निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की मोहल्ला बसंत टाकीज के पीछे नगर अम्बिकापुर शीट कमांक-08 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2805/4828/2 रकबा 0.06 डिसमिल भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रदाय करने संबंधी आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र एवं मेन्टनेन्स खसरा एवं बिकय पत्र की छायाप्रति पेश किया गया है।
उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17/04/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।
आज दिनांक 14/03/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क्र0-202303021200035/अ-20(3)/2022-2023

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक श्रीमती रमदेई अग्रवाल पत्नी स्व0 कश्मिरी लाल अग्रवाल आयु 82 वर्ष निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की मोहल्ला बसंत टाकीज के पीछे नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2805/4828/1 रकबा 0.09 डिसमिल भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रदाय करने संबंधी आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है । आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र एवं मेन्टनेन्स खसरा एवं बिकय पत्र की छायाप्रति पेश किया गया है ।
उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-17/04/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।
आज दिनांक 14/03/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 20230302070023 1

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व सनः- 2022-2023

फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016(407/28(0.0070 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-राकेश वर्मा ,
अनावेदक पक्षकार- रमाशंकर प्रसाद,

ईश्तहार

आवेदक राकेश वर्मा आ0 रमाशंकर वर्मा निवासी गोधनपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खूसरा नंबर 407/28 रकबा 0.007 है0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्द वसीयतनामा दिनांक 29.01.2018 के माध्यम से नामांतरण किये जाने बावत आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08.05 2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/03/2023 को जारी किया जाता है।

सील

तहसीलदार
सरगुजा (अम्बिकापुर)

आधार फाइनेंशियल कंसलटेन्सी

सुविधाएँ : • पर्सनल लोन • बिजनेस लोन • प्रॉपर्टी लोन • होम लोन • जीवन बीमा • स्वास्थ्य बीमा • गाड़ी फाइनेंस • बैंकिंग ग्राहक सेवा केन्द्र

निःशुल्क फ्रेंचाइजी लेकर काम करने इच्छुक व्यक्ति भी संपर्क कर सकते हैं.

प्रमुख बैंकों व कई फाइनेंस कंपनियों द्वारा अधिकृत

आधार फाइनेंशियल कंसलटेन्सी

गुदरी गली, सेन्ट्रल बैंक के सामने अम्बिकापुर

मो.: 9993567065, 6232267065, 9754461011

Adv.t.B.19.3.23

रिंकू की तूफानी पारी को भुलाकर पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगा गुजरात टाइटंस

मोहाली ,12 अप्रैल 2023। पिछले मैच में आखिरी ओवर में रिंकू सिंह के पांच छक्कों से अप्रत्याशित हार झेलने वाली गत चैम्पियन गुजरात टाइटंस उस रात को बुरे सपने की तरह भुलाकर पंजाब किंग्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को आईपीएल के मैच में जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेगी.

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछले मैच में गुजरात के लिये कार्यवाहक कप्तान राशिद खान ने हैट्रिक ली, साइ सुदर्शन और विजय शंकर ने उम्दा पारियां खेली लेकिन रिंकू के बल्ले से निकले तूफान में सब बह गया. रिंकू ने आखिरी ओवर में पांच छक्के लगाकर केकेआर को चमत्कारिक जीत दिलाई . यह हार लंबे समय तक गुजरात को याद रहेगी लेकिन अब उसे अगले मैच पर फोकस करना होगा. तीन मैचों में चार अंक लेकर अंकतालिका में चौथे स्थान पर काबिज गुजरात को आत्मविश्वास से भरी पंजाब के खिलाफ शानदार खेल दिखाना होगा . मौजूदा फॉर्म को देखें तो सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आठ विकेट से मिली हार के अलावा पंजाब ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया है जिसका श्रेय कप्तान शिखर धवन और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की फॉर्म को जाता है . दूसरे छोर से विकेटों के पतन के बावजूद धवन ने सनराइजर्स के खिलाफ 99 रन बनाये हालांकि टीम को हार से नहीं बचा सके. इसके बाद राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ नाबाद 86 और केकेआर के खिलाफ 40 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई. गुजरात के कप्तान हार्दिक पंड्या को बखूबी पता है कि धवन क्या कर सकते हैं . यह मुकाबला धवन और शुभमन गिल के बीच भी होगा चूंकि धवन का लक्ष्य अभी भी अपनी उपयोगिता साबित करके विश्व कप टीम में जगह बनाने का होगा.धवन और उनके युवा सलामी जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह ने पावरप्ले के ओवरों में पंजाब को शानदार शुरूआत दी है और मोहम्मद शमी, हार्दिक तथा राशिद के खिलाफ भी उनकी यही रणनीति होगी. पंजाब के पास आईपीएल के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी सैम कुरेन हैं जिनका साथ देने के लिये लियाम लिविंगस्टोन और जितेश शर्मा होंगे. गेंदबाजी में अर्शदीप के साथ नाथन एलिस रहेंगे. गुजरात के पास गिल, सुदर्शन और शंकर जैसे मैच विनर हैं . शंकर ने पिछले मैच में 24 गेंद में 63 रन बनाये थे . गेंदबाजी में शमी, जोश लिटिल , अलजारी जोसेफ और राशिद हैं.

मैनचेस्टर सिटी लगातार तीसरे साल चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब

मैनचेस्टर,12अप्रैल2023। मैनचेस्टर सिटी ने बायर्न म्युनिख को क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-0 से हराकर लगातार तीसरे साल चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। बायर्न म्युनिख अगले सप्ताह जर्मनी में होने वाले दूसरे चरण में अपने घरेलू दर्शकों के सामने वापसी की कोशिश करेगा। मैनचेस्टर सिटी के हाथों हार से पहले इस सत्र में बायर्न म्युनिख का चैंपियंस लीग में शत प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड रहा था।

इस बीच उसने इंटर मिलान, बार्सिलोना और पेरिस सेंट जर्मेन जैसी टीमों को भी हराया था लेकिन मैनचेस्टर सिटी के सामने उसकी एक नहीं चली। मैनचेस्टर सिटी ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया जिसका उसे फायदा मिला। उसकी तरफ से रोड्री, बर्नार्डो सिल्वा और एरलिंग हालैंड ने गोल किये।

चैंपियंस लीग क्वॉर्टर फाइनल में बेनफिका को हराकर जीत की राह पर लौटा इंटर मिलान

लिस्बन,12अप्रैल2023। इंटर मिलान ने चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में बेनफिका को 2-0 से हराकर फिर से जीत की राह पकड़ी। इंटर मिलान इससे पहले छह मैचों में जीत दर्ज नहीं कर पाया था लेकिन उसने तब जीत हासिल की जबकि इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। इससे वह एक दशक से भी अधिक समय में पहली बार चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बनाने की स्थिति में पहुंच गया है।

पहला हाफ गोल रहित छूटने के बाद इंटर मिलान की तरफ से निकोलो बारेला और रोमेलु लुकाकू ने दूसरे हाफ में गोल किए। इंटर मिलान की यह पिछले एक महीने से भी अधिक समय में पहली जीत है जबकि बेनफिका की सभी प्रतियोगिताओं में 15 मैचों में अजेय रहने के बाद यह लगातार दूसरी हार है। बेनफिका ने इस बीच 13 मैचों में जीत दर्ज की थी।

महिला विश्व कप अभ्यास मैच में स्पेन ने चीन को 3-0 से हराया

इबिजा ,12अप्रैल2023। स्पेन महिला फुटबॉल टीम ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले आगामी विश्व कप की तैयारी के लिए एक मैत्री अभ्यास मैच में चीन को 3-0 से हरा दिया। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार स्पेन की जीत में तेरे एबेलीरा, एथेनिया डेल कैस्टिलो और अल्बा रेडोन्डो ने गोल दागे। चीन ने भी कुछ मौके बनाये लेकिन उसकी फिनिशिंग कमजोर साबित हुई। स्पेन ने पांच दिन पहले नॉर्वे को 4-2 से हराया था।

मिनी गोल्फ वर्ल्ड चैंपियनशिप: जयेश तिवारी और विशाल पोपट का भारत टीम में हुआ चयन

रायपुर ,12अप्रैल 2023। रायपुर के दो युवा खिलाड़ियों को वर्ल्ड मिनी गोल्फ के लिए चयनित किया गया है यह प्रतियोगिता स्वीडन में होने वाली है इस वर्ष के अंत में वर्ल्ड मिनी गोल्स की प्रतियोगिता होने वाली है इसमें राजधानी रायपुर के दो युवा खिलाड़ी जयेश तिवारी और विशाल पोपट को इस प्रतियोगिता के लिए इंडिया टीम में चयनित किया गया है इससे पहले भी यह दो खिलाड़ी लगातार मिनी गोल्फ को भारत के विभिन्न राज्यों में जाकर खेल कर और के जीत कर आए हैं और इस वर्ष के अंत में स्वीडन में होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के तरफ से दो रायपुर 2 खिलाड़ियों का चयन हुआ है

मिनी गोल्फ चयनित खिलाड़ी जयेश तिवारी ने कहा की लगातार में कई विश्व वर्षों से मिनी गोल्फ खेलता रहा हूं और मैंने भारत के विभिन्न राज्यों में जाकर इस खेल को खेला है और कई राज्यों में अलग-अलग प्रतियोगिताओं मैं विजय भी रहा हूं इस बार वर्ल्ड मिनी गोल्फ जो स्वीडन में खेला जाना है उसके लिए मुझे भारत की ओर से चयनित किया गया है इसके लिए मैं बहुत ज्यादा उत्साहित हूं और भारत को मिनी गोल्फ में जीत दिलाने के लिए लगातार अपने खेल में सुधार कर रहा हूं इसके लिए मैं अपने परिवार एवं मेरे कोच का तहे दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं और आने वाले समय में होने वाले वर्ल्ड मिनी गोल्फ मैं भारत के लिए मेडल लाने का पूरा प्रयास करूंगा।

सूर्यकुमार की फॉर्म मुंबई के लिए चिंता का विषय नही

नई दिल्ली ,12 अप्रैल 2023। सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से ही रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं लेकिन मुंबई इंडियंस के अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला ने कहा कि इस स्टार बल्लेबाज की फॉर्म आईपीएल की उनकी टीम के लिए चिंता का विषय नहीं है.

सूर्यकुमार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीनों वनडे मैचों में खाता नहीं खोल पाए थे और इंडियन प्रीमियर लीग में भी वह रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं. वह अभी तक आईपीएल में पहले तीन मैचों में केवल 16 रन बना पाए हैं. दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यहां मुंबई की छह विकेट से जीत के दौरान वह पहली गेंद पर पवेलियन लौट गए थे. चावला ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सूर्यकुमार की फॉर्म को भी चिंता की बात नहीं रही. इस प्रारूप में फॉर्म में आने में सिर्फ 10 गेंद लगती हैं, जहां आपने 10 गेंद में चार चौके मारे तो आप लय में आ जाते हो. जैसा (कप्तान) रोहित (शर्मा) ने जिक्र किया यह पिच

बल्लेबाजी के लिए उतनी आसान नहीं थी. चावला ने कहा कि हमें भी लगा था कि इस विकेट पर 170 रन 190 रन के स्कोर के जितना अच्छा है. लेकिन जिस तरह रोहित और इशान (किशन) ने बल्लेबाजी की, उन्होंने हमें शानदार शुरुआत दिलाई. इस पिच पर नई गेंद का फायदा उठाना जरूरी थी. उन्होंने छह ओवर में 70 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई जिसने लय दी. छह ओवर में 70 रन के बावजूद मैच आखिरी गेंद तक खिंचा तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी. चावला ने इस मैच में अपनी कलाई की जादूगरी दिखाई और 22 रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए. उन्होंने कहा कि लेग स्पिनर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में विकेट लेने के विकल्प मुहैया कराता है.

आईसीसी ने मार्च 2023 के लिए मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ का खुलासा

दुबई,12अप्रैल2023। बांग्लादेशी दिग्गज ऑलराउंडर क्रिकेटर शाकिब अल हसन को मार्च 2023 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड से नवाजा गया है। शाकिब ने न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और संयुक्त अरब अमीरात के आसिफ खान से कड़ी प्रतिस्पर्धा को पार करते हुए प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता।पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश घर में एक ताकत बन गया है और इसका बहुत कुछ अनुभवी ऑलराउंडर के हरफनमौला कारनामों के कारण हुआ है।

शाकिब इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान बांग्लादेश के लिए कुछ उज्ज्वल स्थानों में से एक थे, जो टाइगर्स के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले और विकेट लेने वाले दोनों के रूप में समाप्त हुए। बांग्लादेश की श्रृंखला की एकमात्र जीत में, शाकिब ने 71 गेंदों में 75 रनों की पारी खेली और इसके बाद मेजबान टीम की 50 रन की जीत में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया।उनका फॉर्म टी20ई श्रृंखला तक चला, जहां बांग्लादेश ने पुरुष टी20 विश्व चैंपियंस पर 3-0 से ऐतिहासिक सफेदी दर्ज की। शाकिब ने तीन टी20ई में से प्रत्येक में एक विकेट लिया, जबकि शुरुआती मैच में नाबाद 24 गेंदों में 34 रन बनाकर अपनी टीम के लिए खेल समाप्त किया। शाकिब अपने खेल के शीर्ष पर थे जब आयरलैंड दौरे पर आया था, पहले एकदिवसीय मैच में 93 रन की मैच विजयी पारी खेली थी। बाद में श्रृंखला के दूसरे टी20ई में, 36 वर्षीय ने 24 गेंदों में 38 * रन बनाए और फिर एक प्रभावशाली ऑल-राउंड प्रदर्शन में पावरप्ले के अंदर पांच विकेट लिए। मार्च में खेले गए 12 मैचों में शाकिब ने 353 रन बनाए और 15 विकेट लिए।दूसरी बार पुरस्कार जीतने के बाद शाकिब ने तुरंत उस पैनल का शुक्रिया अदा किया, जिसने उनके समकालीनों की जोड़ी से पहले उन्हें वोट दिया था। शाकिब ने आईसीसी के हवाले से कहा, मैं पुरस्कार जीतने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं और उन विशेषज्ञ पैनलिस्टों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मुझे वोट दिया है।÷

शाकिब ने आगे कहा, यह एक मान्यता है जिसे मैं बहुत महत्व देता हूं क्योंकि एक महीने में कई अद्भुत क्रिकेटरों ने कई विशेष प्रदर्शन किए हैं।

आईसीसी ने मार्च 2023 के लिए महिला खिलाड़ी का खुलासा किया

दुबई,12अप्रैल2023। युवा रवांडा ऑलराउंडर हेनरीट इशिम्वे ने मार्च 2023 के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब पाने के लिए पीएनजी जोड़ी सिबोना जिमी और रवीनी ओए से कड़ी प्रतिस्पर्धा को मात दी है।

अभी भी सिर्फ 19 साल की, इशिम्वे पहले ही रवांडा के लिए करीब 50 टी20आई खेल चुकी हैं और एक बार फिर मार्च के दौरान अपने हरफनमौला कौशल की झलक दिखाई।

इशिमवे ने घाना के खिलाफ बल्ले और गेंद के साथ शानदार प्रदर्शन के साथ नाइजीरिया क्रिकेट फेडरेशन महिला अंतर्राष्ट्रीय ट्वेंटी-20 टूर्नामेंट की शुरुआत की। बल्ले से 22 गेंदों में 32 रनों की तेज पारी के बाद, उसने कम करने के लिए 4/4 के जादुई आंकड़े बनाए। घाना सिर्फ 41।

किशोरी ने कैमरून के खिलाफ 33 गेंदों में 43 रन बनाकर अपने प्रदर्शन को बेहतर करने में कामयाबी हासिल की और इसके बाद अपने पहले टी20ई पांच विकेट हॉल और सबसे छोटे प्रारूप में अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े (5/6) के साथ आगे बढ़ी। उसने कहा कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतना एक बड़ा रोमांच था, और उसने अपने पूरे करियर में सभी कोचों को विशेष श्रद्धांजलि दी।इशिम्वे ने आईसीसी के हवाले से कहा, मैं पिछले महीने में अपने प्रदर्शन के लिए यह पुरस्कार जीतने के लिए विनम्र और सम्मानित महसूस कर रहा हूं मैं इस पुरस्कार का श्रेय उन कई लोगों को देता हूं जिन्होंने क्रिकेट में मेरी पूरी यात्रा में मेरा समर्थन किया है। मेरे कोचों के लिए, जिन्होंने मेरे प्रशिक्षण और विकास में अनगिनत घंटे लगाए हैं, मेरे साथियों के लिए, जो मेरी प्रेरणा और प्रेरणा के स्रोत रहे हैं, और मेरा परिवार और दोस्त, जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं, और सबसे बढ़कर, सर्वशक्तिमान ईश्वर, जिसने यह सब संभव किया है।

वॉर 2 के लिए आदित्य चोपड़ा की पहली पसंद हैं जूनियर एनटीआर!

यशराज फिल्म्स इन दिनों अपने स्पाई यूनिवर्स को लेकर काफी चर्चा में है। पठान के बाद अब प्रोडक्शन हाउस ने वॉर 2 की भी अनाउंसमेंट कर दी है, जिसको लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। अब इसी बीच वॉर 2 को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ऋतिक रोशन स्टारर इस फिल्म को लेकर हाल ही में रिपोर्ट्स सामने आई थी कि वॉर 2 में एक्टर जूनियर एनटीआर ऋतिक रोशन के साथ भिड़ते नजर आएंगे। लेकिन बाद में रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जूनियर एनटीआर ने आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रोड्यूस की जा रही इस फिल्म को करने से साफ मना कर दिया है और अब मेकर्स फिल्म में जूनियर एनटीआर की जगह प्रभास और विजय देवरकोंडा को अप्रोच कर सकते हैं। लेकन नई रिपोर्ट्स के मुताबिक वॉर 2 के लिए मेकर्स की पहली पसंद केवल जूनियर एनटीआर ही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार सूत्रों ने बताया, एनटीआर जूनियर वॉर 2 के लिए आदित्य चोपड़ा की पहली और एकमात्र पसंद हैं। वास्तव में यह किरदार जूनियर एनटीआर को ध्यान में रखकर लिखा गया है। वॉर 2 को दो सुपरस्टार्स - ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर - के बीच की लड़ाई के रूप में डिजाइन किया गया है और यह विचार उन दोनों के व्यक्तित्व का जश्न मनाने के लिए है। जूनियर एनटीआर के साथ पिछले चार महीने से बातचीत चल रही है और यह चीजें मार्च तक पेपर पर उतर जाएंगी।

केवल इतना ही नहीं सूत्र ने यह भी बताया कि अगर जूनियर एनटीआर ने वॉर 2 को रिजेक्ट कर दिया होता तो टीम फिर से उस कैरेक्टर पर काम करती और किसी दूसरी एक्टर के लिए वह किरदार लिखती। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। वॉर 2 में एक-दूसरे से फैस ऑफ करने के लिए ऋतिक और जूनियर एनटीआर काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि साल 2019 में ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म वॉर बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब इस फिल्म का सीक्वल वॉर 2 इसी साल नवंबर में बड़े पर्दे पर रिलीज होगा। बता दें कि सलमान खान की एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, 2019 में रिलीज हुई ऋतिक रोशन की वॉर, 2022 में रिलीज हुई शाहरुख खान की पठान और जल्द ही रिलीज होने वाली सलमान खान की टाइगर 3 के बाद ऋतिक रोशन की वॉर 2 इस स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है।

ब्रेकअप के बाद और भी ज्यादा खूबसूरत हो गई तारा सुतरिया

बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया अपनी फिल्मों के अलावा अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए भी पहचानी जाती है. तारा की सिजलिंग अदाएं फैंस को उनका दीवाना भी बना लेती है. अभिनेत्री अपने ब्रेकअप के उपरांत से ही निरंतर सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं. सोशल मीडिया यूजर्स का तो ये भी कहना है कि तारा ब्रेकअप के उपरांत और भी अधिक ग्लैमरस हो गई हैं. उनकी खूबसूरती का मुकाबला कर पाना हर किसी के बस की बात नहीं.

तारा ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों के माध्यम से इस बात को साबित भी कर दिया है. तस्वीर में तारा ग्रीन फ्लोरल प्रिंट कलर की बिकिनी पहने हुए दिखाई दे रही है. इस तस्वीर में तारा का फिट फिगर साफ-साफ फ्लॉन्ट हो रहा है. अभिनेत्री का डीपनेक श्रग फैंस को दिल घायल करने का काम कर रहे है. एक्ट्रेस की फोटो ने यूजर्स को कमेंट करने पर मजबूर कर दिया है. तारा की बिकिनी वाली ये तस्वीर सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है.इस फोटो पर यूजर्स कमेंट करते हुए तारा की तारीफ के पुल बांध कर रहे हैं. वहीं कुछ यूजर्स तारा का कातिलाना अंदाज देख उन्हें सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद से कंपेयर करने लगे है. एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है कि, उर्फी को तो यूं ही बदनाम किया जा रहा है. उर्फी जावेद भी अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए काफी मशहूर हैं. उनका फैशन सेंस तो सभी ने देखा है.

राघव जुयाल ने किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग के दौरान किए 2 प्रोजेक्ट्स

एक्टर-डांसर राघव जुयाल, जो जल्द ही किसी का भाई किसी की जान में नजर आएंगे, ने शेयर किया कि जब वह सलमान खान अभिनीत फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, तब उन्होंने दो प्रोजेक्ट्स के लिए भी समय निकाला था। किसी का भाई किसी की जान, जिसका ट्रेलर सोमवार शाम को जारी किया जाएगा, 2023 में ईद पर रिलीज के लिए तैयार है। एसकेएफ प्रोडक्शन पर काम करने के अलावा, राघव ऑस्कर विजेता गुनीत मोंगा की सिख एंटरटेनमेंट के साथ एक अघोषित फिल्म के लिए अपने शेड्यूल को मैनेज भी कर रहे थे। अपने बिजी शेड्यूल के बारे में बताते हुए राघव ने कहाः मैं सलमान सर की फिल्म किसी का भाई किसी की जान का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, जिसने मेरे 2023 की शानदार शुरूआत की।

इसके अलावा, मैं उसी समय एक और अघोषित प्रोजेक्ट की शूटिंग भी कर रहा था, जिसका मतलब था कि शेड्यूल, किरदारों और सेट में बहुत फेरबदल करना था। राघव ने बताया कि उन्हें काम में लगातार डूबे रहना पसंद है क्योंकि इससे उन्हें खुशी मिलती है।

हिंदी फिल्मों के गोल्डन एरा से भरी हुई है फिल्म जुबली

कई बार लोगों को इंडियन सिनेमा के सुनहरे दौर की बात करते सुन लिया है. खासकर तब जब आमने-सामने दो सिनेमा लवर्स हों. कई बार ये बातें सुनकर सिनेमा को तकरीबन से जानने की चाह होती है. मन में आज के सिनेमा और गोल्डन एरा को लेकर कई प्रश्न भी उठ गए है. अगर ऐसा है, तो आपके सवालों के जवाब जुबली की कहानी में छिपे हुए है. जुबली अमेजन प्राइम की नई सीरीज है. सीरीज की कहानी 1940के सिनेमा की जादुई दुनिया को भी पेश कर रही है.गोल्डन एरा को दिखाती जुबलीः जुबली की कहानी हिंदी सिनेमा के गोल्डन एरा के साथ-साथ

बंटवारे के मंजर को बयां कर रही है. ये कहानी है टॉकीज के दौर की बताई जा रही है. श्रीकांत रॉय (प्रोसेनजित चटर्जी), रॉय टॉकीज को ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं. इसके लिए उन्हें एक नए चेहरे मदन कुमार की तलाश है. ये तलाश जमशेद खान (नंदीश संधू) पर आकर समाप्त हो चुकी है. कई ऑडिशन के उपरांत श्रीकांत रॉय को जमशेद खान के तौर पर हिंदी सिनेमा का मदन कुमार को मिल जाता है.जमशेद खान एक थिएटर आर्टिस्ट, स्ट्रगलिंग और टैलेंटेड अभिनेता है, जिसे मदन कुमार के तौर पर लॉन्च करने की घोषणा की है. पर जमशेद कशमकश में है.

छत्तीसगढ़ शासन

भरोसे का सम्मेलन

सैकड़ों पुश्तों की विरासत

जनजातीय संस्कृति का सम्मान और संरक्षण

भरोसे का सम्मेलन

13 अप्रैल 2023 | दोपहर 12 बजे | लालबाग मैदान, जगदलपुर-बस्तर

मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना

का

शुभारंभ

आदिवासी पर्वों के
बेहतर आयोजन के लिए जनजातीय क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों को
प्रतिवर्ष 10-10 हजार रु की अनुदान राशि

देवगुड़ियों के संरक्षण
मेला-मड़ई, जात्रा पर्व, सरना पूजा, करमा, सरहुल, गौरा-गौरी, नवाखानी, अक्ति, छेरता आदि पर्वों
के आयोजन के लिए राशि का प्रावधान

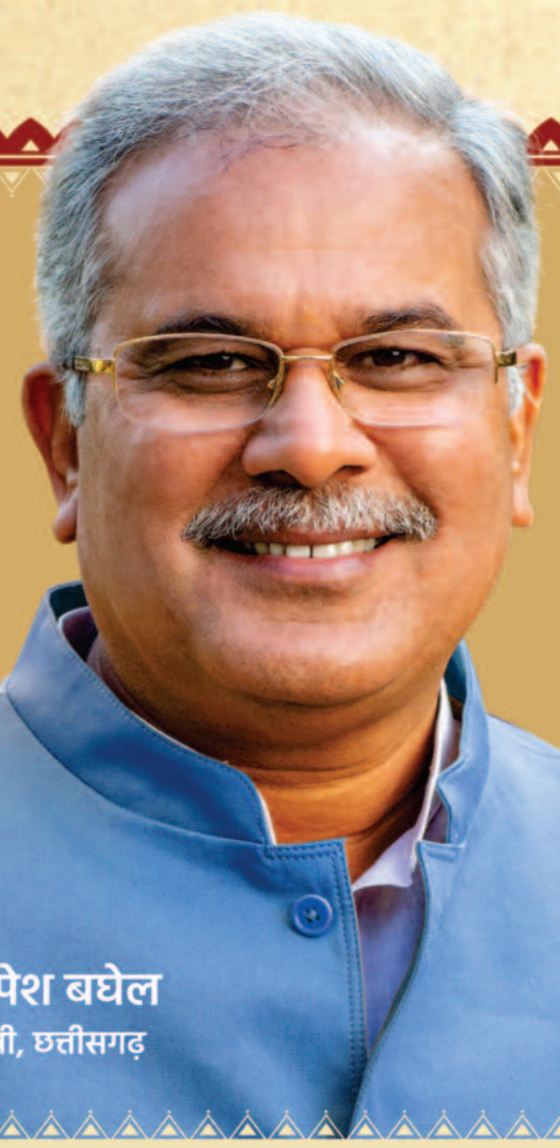

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार
भरोसे की सरकार

संवाद 36592/74

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)